मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, शनिवार, 01 अगस्त 2026

संवत 2083, श्रावण कृष्ण पक्ष 03 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 318 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 ▸▸ रिकॉर्ड एफडीआई ने बताया क्यों है दुनिया का भारत पर भरोसा

धूम 4 में दिखेंगे रणबीर कपूर ◂◂ 6

जंगल में महिला का शव मिलने से सनसनी, मोबाइल और अन्य सामान बरामद

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगरः जिले के नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के डगड़गवाटांड़ जंगल से शनिवार को एक महिला का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई।

मृतका की पहचान नौडीहा थाना क्षेत्र के शाहपुर पंचायत अंतर्गत सतबरवा निवासी उमेश यादव की पत्नी लालो देवी के रूप में हुई है। सूचना मिलने के बाद नौडीहा बाजार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

नौडीहा बाजार थाना प्रभारी नीरज कुमार ने बताया कि लालो देवी, उमेश यादव की पहली पत्नी थीं। वह पिछले कई वर्षों से बिहार के बकरीडीह स्थित अपने मायके में रह रही थीं। घटनास्थल से सल्फास का एक डिब्बा, एक मोबाइल फोन,

चप्पल, पॉलिथीन में रखी लौकी, करेला, भिंडी, सब्जियों के बीज तथा रसगुल्ला बरामद किये गये है। बरामद सामान को पुलिस ने जब्त कर जांच के लिए सुरक्षित रखा है।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच भेज दिया है। शव के पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तिरुलडीह में ट्रेन की चपेट में आकर व्यक्ति की मौत

खरसावांः जिले के तिरुलडीह थाना क्षेत्र में शनिवार को ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना तिरुलडीह और बकारकुड़ी रेलवे स्टेशन के बीच रेलवे पोल संख्या 318/15 और 319/15 के पास हुई। मृतक की पहचान चानो गांव निवासी 50 वर्षीय मंगल सिंह मुंडा के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही तिरुलडीह थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सरायकेला सदर अस्पताल भेज दिया गया।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में पहलगाम जैसा हमला

आतंकियों ने ईंट भट्टा मजदूरों का नाम पूछा, 2 हिंदुओं को अलग कर मारी गोली

श्रीनगरः दक्षिण कश्मीर के कुलगाम में शुक्रवार रात करीब 8:30 बजे पहलगाम जैसा हमला हुआ। आतंकवादियों ने ईंट-भट्टे पर काम कर रहे 2 हिंदू मजदूरों को नाम पूछकर गोली मार दी। दोनों मृतक छत्तीसगढ़ के रहने वाले थे। हमले में एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, दूसरे ने शनिवार सुबह श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एसकेआईएमएस) में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मारे गए युवकों की पहचान 24 साल के दीपक रात्रे और 28 साल के भूपेंद्र के रूप में हुई है।भट्टे पर यही दोनों हिंदू थेः अधिकारियों के अनुसार, हमला कुलगाम से करीब 20 किलोमीटर दूर केलाम में हुआ। स्थानीय लोगों के मुताबिक, उन्होंने 10-12 राउंड फायर की आवाज सुनी। घटना के समय वहां कई प्रवासी मजदूर थे, लेकिन सिर्फ यही दोनों हिंदू थे। इस हमले के बाद घटनास्थल के चारों तरफ करीब दो किलोमीटर का इलाका सील कर दिया गया है। आतंकियों की तलाश की जा रही है।

स्पेन की सीमा पर प्रवासियों की भारी भीड़, 60 हजार पहुंचे, 34 की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली : स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने मोरक्को से स्पेन के सियूटा इलाके में घुसने की कोशिश के दौरान कम से कम 34 प्रवासियों की मौत पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि सीमा पर लोगों को वापस भेजने की प्रक्रिया आसान बनाने के लिए समुद्र किनारे बैरियर के पास तैरने वाले बॉय लगाए जाएंगे।

सांचेज ने हाल में बड़ी संख्या में प्रवासियों के देश में घुसने की घटना को स्पेन की सीमा

पर हमला और उसकी संप्रभुता का उल्लंघन बताया। पुलिस के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों में करीब 40 हजार प्रवासी मोरक्को से स्पेन के इलाके में पहुंच गए। इनमें से कई लोग भूमध्य सागर (समुद्र के रास्ते) के रास्ते तैरकर सीमा पार करने में सफल रहे। सियूटा के प्रशासनिक प्रमुख जुआन जीसस विवास ने बताया कि मोरक्को से स्पेन पहुंचने की कोशिश के दौरान कम से कम 34 प्रवासियों की जान चली गई। उन्होंने कहा, " सियूटा जिस स्थिति से गुजर रहा है, वह बहुत ही भयावह है।"

गुरुवार (30 जुलाई) को सीमा पर भड़का संकट शुक्रवार (31 जुलाई) को भी जारी रहा जहां सीमा के मोरक्को वाले क्षेत्र में सुरक्षाबलों एवं प्रवासियों के बीच हिंसक झड़पें हुईं।

मैं इतनी शर्मिंदा हूं कि नजरें भी नहीं उठा पा रही, पीएम के खिलाफ टिप्पणी करने वाली लड़की ने मांगी माफी

नई दिल्ली : नीट पेपर लीक मामले को लेकर देश की राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए विरोध-प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी का मामला अब एक नया मोड़ ले चुका है। इस मामले में विवादों में घिरी रूचिका सिंह का एक नया वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। इस वीडियो में वह अपने किए पर भारी पछतावा जताते हुए पूरे देश से माफी मांग रही है। रूचिका का कहना है कि उसने जो भी किया वह माफी के लायक नहीं है, लेकिन इसके साथ ही उसकी उम्र और उसकी पिछली पहचान को लेकर भी कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं, जिसने इस पूरे मामले को और भी उलझा दिया है।

यह मेरी पहली और आखिरी गलती है, मुझे माफ कर दें : सामने आए नए वीडियो में रूचिका सिंह अपने बयानों पर गहरी शर्मिंदगी जताती हुई नजर आ रही है। वीडियो में उसने खुद को महज 15 साल का बताया है। रूचिका ने भावुक होते हुए कहा है कि उसने बहुत सी बुरी बातें कही हैं, जो किसी भी सूरत में माफी के योग्य नहीं हैं।

झारखण्ड सरकार, नागर विमानन (JFI) के सौजन्य से आमजन को व्यावसायिक किराये पर हेलीकॉप्टर उपलब्ध कराने के लिए

PR.No.386390 (Civil Aviation)26-27

बुकिंग हेतु संपर्क सूत्र

9122583111 वेबसाइट: www.jharkhandaviation.in

देवघर-बासुकीनाथ आकाशीय दर्शन हेतु हवाई परिक्रमा / पर्यटन स्थल / धार्मिक स्थलों के लिए दरें:

देवघर आकाशीय परिदर्शन	बासुकीनाथ आकाशीय परिदर्शन	देवघर से त्रिकूट परिदर्शन	देवघर से बासुकीनाथ एकतरफा
07 से 10 मिनट	07 से 10 मिनट	10 से 15 मिनट	एकतरफा उड़ान समय 15 मिनट
रु. 2,850.00	रु. 2,850.00	रु. 3,750.00	रु. 4,500.00

मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (नागर विमानन), झारखण्ड सरकार

न्यूज IN ब्रीफ

डोडमा में दिनदहाड़े चोरी, ढाई लाख नकद व सोने के गहने लेकर फरार हुए चोर

तोरपा : तोरपा थाना क्षेत्र के डोडमा गांव स्थित अपना ढाबा के समीप शुक्रवार की शाम अज्ञात चोरों ने एक घर का ताला तोड़कर लाखों रुपये की चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोर घर में रखे ढाई लाख रुपये नगद एवं कीमती सोने के गहने लेकर फरार हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार, पीड़ित कृष्णा महतो शुक्रवार शाम करीब 4:30 से 5:00 बजे के बीच अपने बेटे के साथ डोडमा साप्ताहिक बाजार सब्जी खरीदने गए थे, जबकि उनकी पत्नी धान रोपाई के लिए खेत गई हुई थीं। इसी दौरान चोरों ने सूने घर का फायदा उठाते हुए मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया। इसके बाद कमरे में रखे बक्से का ताला तोड़कर उसमें रखे ढाई लाख रुपये नगद तथा सोने के आभूषण चोरी कर लिए। बाजार से लौटने पर कृष्णा महतो और उनके बेटे ने घर का ताला टूटा देखा। अंदर जाने पर कमरे में रखा बक्सा खुला मिला। जांच करने पर उसमें रखी नकदी और गहने गायब थे। अनुमान है कि चोर घटना को अंजाम देने के बाद करीब आधे घंटे के भीतर फरार हो गए। घटना की सूचना पीड़ित ने तत्काल डायल-112 के माध्यम से पुलिस को दी। सूचना मिलते ही तोरपा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ित परिवार से पूछताछ कर घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने उस बक्से की भी जांच की, जिससे नकदी और आभूषण चोरी किए गए। पुलिस ने बताया कि चोरी की घटना के उद्भेदन के लिए आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। साथ ही तकनीकी अनुसंधान के आधार पर संदिग्धों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

पांडेपुरा मध्य विद्यालय के एसएमसी चुनाव में धांधली का आरोप

चतरा : जिले के हंटरगंज प्रखंड की पाण्डेयपुरा पंचायत अंतर्गत मध्य विद्यालय पाण्डेयपुरा में विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) के अध्यक्ष चुनाव को लेकर विवाद सामने आया है। ग्रामीणों ने इस संबंध में उपायुक्त, जिला शिक्षा अधीक्षक तथा प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी (बीईओ) को लिखित शिकायत देकर चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।शिकायत के अनुसार, 29 जुलाई 2026 को प्रधानाध्यापक एवं पर्यवेक्षक की मौजूदगी में अध्यक्ष का चुनाव कराया गया, जिसमें विभागीय नियमों का पालन नहीं किया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि पहले से अध्यक्ष रहे और विवादित व्यक्ति को दोबारा अध्यक्ष बना दिया गया, जबकि नियमों के अनुसार ऐसा नहीं होना चाहिए था।आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि कार्यकारिणी समिति के गठन में पारदर्शिता नहीं बरती गई। एक ही टोला से छह सदस्यों का चयन किया गया, जबकि लगभग 200 घरों वाली पाण्डेयपुरा बाजार बस्ती से कुछ ही लोगों को शामिल किया गया। कई इच्छुक अभिभावकों को चुनाव में भाग लेने से भी रोक दिया गया।ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि पूरी चुनाव प्रक्रिया निजी हितों को ध्यान में रखकर कराई गई। उन्होंने उपायुक्त, जिला शिक्षा विभाग और प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर नियमों के अनुरूप कार्रवाई करने तथा आवश्यकता पड़ने पर पुनः चुनाव कराने की मांग की है।ग्रामीणों का कहना है कि यदि मामले की निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो वे आगे उच्च अधिकारियों से शिकायत करने के साथ लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने को भी बाध्य होंगे। इधर प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी किशोर कुमार ने कहा की जांच टीम गठन की जाएगी। अगर कोई भी दोषी पाए जाएंगे तो उचित कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

चतरा की बेटी मन्नत ने शूटिंग प्रतियोगिता में रचा इतिहास

चतरा : चतरा जिला परिषद उपाध्यक्ष बिरजू तिवारी की पुत्री मन्नत ने अपनी शानदार प्रतिभा का परिचय देते हुए झारखंड राज्य शूटिंग प्रतियोगिता में चार स्वर्ण पदक जीतकर स्टेट रैंक-1 हासिल किया है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे चतरा जिले में खुशी का माहौल है।पश्चिम बंगाल में आयोजित इस प्रतियोगिता में मन्नत ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विभिन्न स्पधाओं में चार स्वर्ण पदक अपने नाम किए। लगातार बेहतरीन निशानेबाजी का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने स्टेट रैंक-1 प्राप्त कर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे चतरा जिले का नाम रोशन किया।

मन्नत की इस उपलब्धि पर जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकताओं, खेल प्रेमियों और जिलेवासियों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। लोगों ने विश्वास जताया कि मन्नत आने वाले दिनों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बेहतर प्रदर्शन कर झारखंड और देश का गौरव बढ़ाएंगी। जिला परिषद उपाध्यक्ष बिरजू तिवारी ने अपनी पुत्री की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि निरंतर मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को उचित अवसर और प्रोत्साहन मिले तो वे प्रदेश और देश का नाम रोशन कर सकते हैं।मन्नत की इस सफलता से जिले के युवाओं और खेल प्रतिभाओं को भी नई प्रेरणा मिली है।

बिरसा कॉलेज के सेवानिवृत्त प्रोफेसर कुनकुन प्रसाद सिंह को दी गयी श्रद्धांजलि

खूंटी : बिरसा कॉलेज, खूंटी के सेवानिवृत्त प्राध्यापक प्रो. कुन कुन प्रसाद सिंह के निधन पर शनिवार को कॉलेज परिसर में प्रभारी प्राचार्या डा. पुष्पा सुरीन की अध्यक्षता में शोक सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान कॉलेज परिवार ने दिवंगत प्रोफेसर को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। सभी उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। शोक सभा में वक्ताओं ने प्रो. कुन कुन प्रसाद सिंह के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद करते हुए कहा कि उन्होंने वर्ष 1974 में बिरसा कॉलेज, खूंटी में अपनी सेवाएं प्रारंभ की थीं और वर्ष 2016 में सेवानिवृत्त हुए। अपने लंबे सेवाकाल के दौरान वे छात्रों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के बीच अत्यंत लोकप्रिय रहे। उन्हें एक हरदिल अजीज, हरफनमौला और सभी के सुख-दुःख में साथ खड़े रहने वाले व्यक्तित्व के रूप में याद किया जाता है। वर्ष 1998 से 2013 तक वे कॉलेज के खेल विभाग से भी सक्रिय रूप से जुड़े रहे और खेल गतिविधियों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। सभा में कॉलेज के शिक्षक राज कुमार गुप्ता ने बताया कि प्रो. सिंह ने जीवनकाल में अपनी अंतिम इच्छा व्यक्त करते हुए कहा था कि उन्होंने अपना पूरा जीवन खूंटी में बिताया है, इसलिए उनके निधन के बाद उनका अंतिम संस्कार भी खूंटी की तजना नदी के तट पर ही किया जाए। प्रभारी प्राचार्या डा. पुष्पा सुरीन ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि प्रो. कुन कुन प्रसाद सिंह के निधन से कॉलेज ने एक सच्चे मार्गदर्शक, अभिभावक और समर्पित शिक्षक को खो दिया है। उनकी कमी कॉलेज परिवार को हमेशा महसूस होगी।

करंा के बकसपुर में जंगली हाथी का आतंक, मकान तोड़ा, मचाया उत्पात

संवाददाता

खूंटी : जिले के विभिन्न प्रखंडों में जंगली हाथियों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार देर रात करंा प्रखंड के बकसपुर स्टेशन टोली में जंगल से भटककर पहुंचे एक जंगली हाथी ने जमकर उत्पात मचाया। हाथी ने ग्रामीण जोहनी बरला के अल्बेस्टर से लगे मकान को क्षतिग्रस्त कर दिया, जिससे परिवार को भारी नुकसान उठाना पड़ा। जानकारी के अनुसार, हाथी ने मकान की दीवार और अन्य हिस्सों को तोड़ दिया। हमले के बाद मकान का मलबा घर में रखे दैनिक उपयोग के

सामान पर गिर गया, जिससे घरेलू सामग्री भी क्षतिग्रस्त हो गई। मकान की दीवारों में दरारें पड़ने से परिवार के सामने सुरक्षा का भी संकट उत्पन्न हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि जिले में लगातार बढ़ रहे हाथियों के आतंक से लोगों में दहशत का माहौल है। तोरपा, रनिया और करंा प्रखंड के ग्रामीण एवं सुदूरवर्ती क्षेत्रों में जंगली हाथी आए दिन घरों को नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ किसानों की खेतों में लगी फसलों को भी बर्बाद कर रहे हैं। इससे ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। पीड़ित जोहनी बरला ने घटना की सूचना वन विभाग के कर्मियों को देकर नुकसान का आकलन कराने तथा शीघ्र आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। वहीं ग्रामीणों ने भी वन विभाग से हाथियों की गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखने और प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

रेंजर्स दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन, युवाओं ने दिखाया उत्साह

संवाददाता

चतरा : रेंजर्स दिवस के अवसर पर शुक्रवार को चतरा स्थित चिमटी रेस्टोरेंट में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन रेस्टोरेंट के संचालक प्रिंस कुमार के नेतृत्व में रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से किया गया। शिविर का उद्घाटन डॉ. मो. अजहर ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और कुल सात रक्तवीरों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की। रक्तदान करने वालों में आदित्य, अजय पटेल, सागर टोप्पो, जितेंद्र सिन्हा, विष्णु कुमार उर्फ बाबू, अविनाश कुमार एवं मो. आकिब शामिल रहे।शिविर को संबोधित करते हुए प्रिंस कुमार ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा मानव सेवा का कार्य है। एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद मरीज को नया जीवन दे सकता है। उन्होंने युवाओं से नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान करने और समाज में इसके प्रति जागरूकता फैलाने की अपील की।रक्तदान शिविर को सफल बनाने में रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव धर्मेंद्र पाठक, एमपीडब्ल्यू रत्नेश कुमार, रमेश कुमार, जीएनएम मधुलता कुमारी, लैब टेक्नीशियन विजय कुमार तथा सुमन कुमारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उपस्थित लोगों ने इस तरह के सामाजिक आयोजनों को समय-समय पर आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

बनई नदी की टूटी पुलिया का जल्द निर्माण कराए सरकार : अर्जुन मुंडा

संवाददाता

खूंटी : खूंटी-कोलेबिरा स्टेट हाईवे-3 पर पेलोल के समीप बनई नदी पर स्थित टूटी पुलिया के एक वर्ष बीत जाने के बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं होने पर पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने चिंता जताई है। आम्रेश्वर धाम, आंगराबाड़ी में मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन और संबंधित विभाग की ओर से अब तक प्रभावी पहल नहीं किए जाने से आम लोगों को लगातार कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। अर्जुन मुंडा ने कहा कि पुलिया के टूटे रहने से न केवल स्थानीय लोगों का आवागमन प्रभावित हुआ है, बल्कि क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों पर भी इसका व्यापक

असर पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पुल निर्माण की दिशा में ठोस पहल करने की मांग की। उन्होंने कहा कि ऐसे महत्वपूर्ण मामलों के त्वरित समाधान के लिए सरकार को एक विशेष टास्क फोर्स का गठन करना चाहिए, ताकि निर्माण कार्य में आ रही बाधाओं को दूर कर जल्द से जल्द पुलिया का निर्माण कराया जा सके। उन्होंने कहा कि सड़क और पुल जैसी आधारभूत संरचनाएं किसी भी क्षेत्र के विकास की रीढ़ होती हैं और इनमें देरी से जनता के साथ-साथ व्यापार एवं परिवहन व्यवस्था को भी नुकसान उठाना पड़ता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने सरकार से अविलंब कार्रवाई कर लोगों को राहत देने तथा पुल निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ कराने की अपील की।

सीडब्ल्यूसी टीम ने आवासीय अनुसूचित जाति विद्यालय का किया निरीक्षण

संवाददाता

चतरा : जिले के हंटरगंज प्रखंड स्थित अनुसूचित जाति आवासीय विद्यालय में चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की टीम ने औचक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान विद्यालय में कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। सबसे बड़ी बात यह रही कि विद्यालय के प्रधानाध्यापक बनवारी रजक निरीक्षण के समय अनुपस्थित पाए गए, जिस पर टीम ने नाराजगी जताई। सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष नर्मदेश्वर सिंह के नेतृत्व में पहुंची टीम में संरक्षण पदाधिकारी आलोक कुमार शर्मा, सदस्य प्रियंका अधिकारी, मुकेश पांडे एवं कल्याण पदाधिकारी दिनकर कुमार शामिल थे। टीम ने छात्र-छात्राओं से सीधे बातचीत कर विद्यालय एवं छात्रावास की स्थिति की जानकारी ली।बच्चों ने टीम को बताया कि छात्रावास की हालत बेहद जर्जर हो चुकी है। बारिश के दौरान भवन की छत से कई जगह पानी टपकता है, जिससे कमरों में पानी भर जाता है और बिस्तर भीग जाते हैं। ऐसी स्थिति में रातभर जागकर समय बिताना पड़ता है। बच्चों ने यह भी बताया कि खराब भवन के कारण पढ़ाई और दैनिक जीवन दोनों प्रभावित हो रहे हैं।निरीक्षण के दौरान टीम ने भोजन, आवास, पढ़ाई, स्वच्छता एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं का भी जायजा लिया। बच्चों की शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए अधिकारियों ने संबंधित विभाग को आवश्यक कार्रवाई करने तथा छात्रावास की स्थिति में जल्द सुधार सुनिश्चित करने का निर्देश देने की बात कही।सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा, शिक्षा और बेहतर आवासीय व्यवस्था सरकार की प्राथमिकता है। निरीक्षण में मिली कमियों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर संबंधित विभाग को भेजी जाएगी, ताकि आवश्यक कार्रवाई करते हुए बच्चों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।विद्यालय में सामने आई अव्यवस्थाओं और निरीक्षण के दौरान प्रधानाध्यापक की अनुपस्थिति ने पूरे मामले को गंभीर बना दिया है। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि संबंधित विभाग इन कमियों को दूर करने के लिए क्या कदम उठाता है।

खूंटी में एबीवीपी का हस्ताक्षर अभियान, जेपीएससी - जेएसएससी परीक्षाओं की निष्पक्ष जांच कराने की मांग

संवाददाता

खूंटी : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की बिरसा कॉलेज खूंटी इकाई ने शनिवार को बिरसा कॉलेज परिसर में जेपीएससी-जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने, कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच तथा राज्य के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में वर्षों से रिक्त तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के पदों पर शीघ्र बहाली की मांग को लेकर हस्ताक्षर अभियान चलाया। अभियान में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लेकर भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्ष जांच और समयबद्ध नियुक्तियों के समर्थन में हस्ताक्षर किए। विद्यार्थियों ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता युवाओं के भविष्य की आधारशिला

है। यदि भर्ती प्रक्रियाओं पर लगातार सवाल उठते रहेंगे तो मेहनती अभ्यर्थियों का मनोबल टूटेगा और व्यवस्था पर उनका विश्वास भी कमजोर होगा। इस अवसर पर एबीवीपी झारखंड के प्रदेश मंत्री प्रकाश टुटी ने कहा कि राज्य के लाखों युवा वर्षों से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। ऐसे में जेपीएससी-जेएसएससी भर्ती प्रक्रियाओं को लेकर उठ रहे सवाल गंभीर हैं। उन्होंने मांग की कि दोनों आयोगों से जुड़े मामलों की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने राज्य के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में लंबे समय से रिक्त पड़े तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के पदों पर शीघ्र बहाली करने की भी मांग की। उनका कहना था कि इससे उच्च शिक्षण संस्थानों का सुचारु संचालन सुनिश्चित होगा और युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर मिलेंगे। प्रकाश टुटी ने कहा कि झारखंड वीर बिरसा मुंडा, सिदो-कान्हू, चांद-भैरव सहित अनेक जननायकों की संघर्षभूमि रही है। राज्य का युवा न्याय, पारदर्शिता और निष्पक्ष व्यवस्था की अपेक्षा रखता है। एबीवीपी विद्यार्थियों के शैक्षणिक एवं रोजगार संबंधी मुद्दों पर लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से संघर्ष करती रही है और आगे भी करती रहेगी। परिषद ने चेतावनी दी कि यदि भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित नहीं की गई, दोषियों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तथा रिक्त पदों पर बहाली की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो विद्यार्थियों के हित में आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

सोशल मीडिया पर 'इमरजेंसी' का झांसा

युवक के नाम पर फर्जी आईडी बनाकर 87 हजार की साइबर ठगी

संवाददाता

चतरा : साइबर अपराधियों ने अब सोशल मीडिया को ठगी का नया हथियार बना लिया है।हंटरगंज थाना क्षेत्र के खूटहेरा गांव निवासी सूर्यभान साव के नाम और फोटो का दुरुपयोग करते हुए अज्ञात साइबर ठगों ने फेसबुक और इंस्टाग्राम पर फर्जी आईडी बना ली। इसके बाद ठग ने उनके दोस्तों और रिश्तेदारों को इमरजेंसी का हवाला देकर रुपये मांगने शुरू कर दिए। झांसे में आकर दो लोगों ने कुल 87 हजार रुपये ठगों के खाते में भेज दिए।पीड़ित ने बताया कि वह ओमान में मजदूरी करता है और छुट्टी पर अपने गांव आया हुआ है। इसी दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसकी तस्वीर लगाकर फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट तैयार कर लिया। इसके बाद आरोपी ने मैसेंजर और व्हाट्सएप के माध्यम से लोगों को संदेश भेजकर तत्काल पैसों की जरूरत बताई और साथ में क्यूआर दफ कोड भेजकर ऑनलाइन भुगतान कराने लगा।इस धोखाधड़ी में प्रिंस कुमार ने 27 हजार रुपये तथा अब्दुल्ला खान ने 60 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। जब बाद में बातचीत हुई तो पूरे मामले का खुलासा हुआ और सभी के होश उड़ गए।घटना के बाद सूर्यभान साव ने हंटरगंज थाना में लिखित शिकायत देकर साइबर ठगों की पहचान कर गिरफ्तारी, ठगी गई राशि वापस दिलाने तथा कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही उन्होंने लोगों से अपील की कि उनके नाम से सोशल मीडिया पर यदि कोई पैसे मांगे तो बिना पुष्टि किए किसी भी हालत में रुपये न भेजें।पुलिस इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी विपिन कुमार ने बताया कि आवेदन प्राप्त हुआ है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर इमरजेंसी का संदेश मिलने पर पहले संबंधित व्यक्ति से फोन या आमने-सामने संपर्क कर सत्यापन अवश्य करें। बिना पुष्टि के किसी भी खाते या दफ कोड पर पैसे ट्रांसफर न करें।

सड़क हादसे में युवक घायल, सदर अस्पताल में इलाज जारी

संवाददाता

खूंटी : मुरहू प्रखंड के कुंजला गांव निवासी जितेंद्र महतो गुरुवार को दुलवा टोंगरी के समीप सड़क दुर्घटना में घायल हो गए। बताया गया कि उनकी बाइक का चक्का अचानक फिसल जाने से वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित पत्थर से टकरा गया, जिससे वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष काशीनाथ महतो दुर्घटनास्थल पर पहुंचे। स्थानीय लोगों के सहयोग से उन्होंने घायल जितेंद्र महतो को तत्काल इलाज के लिए खूंटी सदर अस्पताल पहुंचाया। सदर अस्पताल में चिकित्सकों ने घायल का प्राथमिक उपचार शुरू किया। काशीनाथ महतो ने भी अस्पताल पहुंचकर चिकित्सकों से घायल की स्थिति की जानकारी ली। चिकित्सकों के अनुसार जितेंद्र महतो की हालत फिलहाल खतरे से बाहर है और उनका उपचार जारी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि समय पर अस्पताल पहुंचाए जाने के कारण घायल को शीघ्र चिकित्सा सुविधा मिल सकी, जिससे उनकी स्थिति स्थिर बनी हुई है। पुलिस द्वारा दुर्घटना के कारणों की भी जानकारी जुटाई जा रही है।

एनएच-22 पर भीषण सड़क हादसा

यात्री बस और कार की जोरदार टक्कर में आधा दर्जन से अधिक लोग घायल

संवाददाता

चतरा : जिले के चतरा-डोभी मुख्य मार्ग (एनएच-22) पर शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए,वहीं कई अन्य को आंशिक चोट आईं। एन एच 22 पर घटी दुर्घटना में एक तेज रफ्तार यात्री बस और अनियंत्रित कार के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर में यह घटना घटित हुई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बिहार के गयाजी से चतरा की ओर आ रही 'सिंहवाहिनी' नामक यात्री बस जैसे ही सेरेंगड़ा-संघरी घाटी इलाके में पहुंची, तभी गयाजी की दिशा की ओर जा रही एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित टाटा नेक्सॉन कार से उसकी सीधी भिड़ंत हो गई। घटना के तुरंत बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। राहगीरों की सूचना पाकर सदर थाना की पुलिस बिना समय गंवाए दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंची और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को इलाज के लिए चतरा के सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सदर अस्पताल में जिन गंभीर रूप से घायल लोगों का इलाज चल रहा

है, उनकी पहचान नैन्सी कुमारी (20 वर्ष) पिता उमेश रजक, हंटरगंज, श्रुति कुमारी (27वर्ष) पिता- दीपक सिंह, निवासी-हफुआ, चतरा एवं अमित सिंह पिता- रामानंदन सिंह के रूप में हुई है। वहीं आधा दर्जन से अधिक यात्रियों को मामूली चोटें भी आई हैं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के लिए आसपास के निजी क्लीनिकों में भर्ती कराया गया है। हादसे को लेकर सदर थाना प्रभारी अनिल उरांव ने बताया कि पुलिस की पहली प्राथमिकता घायलों की जान बचाना थी, इसलिए सभी को सुरक्षित तरीके से अस्पताल भेज दिया गया है। यातायात को सुचारू कर लिया गया।वहीं दोनों दुर्घटना ग्रस्त वाहनों को जब्त कर थाना लाया गया है। पुलिस अब इस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है कि दुर्घटना कार चालक की लापरवाही से हुई या कोई तकनीकी खराबी इसका कारण बनी।

जेपीएससी पर आक्रोश, रांची में जंतर-मंतर जैसा माहौल, सीबीआई जांच की मांग

संवाददाता

रांची: दिल्ली के जंतर-मंतर पर परीक्षा अनियमितताओं को लेकर हुए छात्र आंदोलन की गूंज अब झारखंड की राजधानी रांची तक पहुंच गई है। 14वीं झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा में कथित धांधली के विरोध में अभ्यर्थी लगातार पांचवें दिन भी सत्याग्रह पर डटे रहे। प्रदर्शनकारी छात्रों का कहना है कि उन्हें राज्य सरकार की सीआईडी और एसआईटी जांच पर भरोसा नहीं है। उनकी मांग है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच सीबीआई से कराई जाए। छात्रों ने चेतावनी दी है कि यदि सीबीआई जांच नहीं कराई गई तो आंदोलन और तेज होगा तथा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से नैतिक आधार पर इस्तीफे की मांग भी की जाएगी।

नारेबाजीः रांची में शुक्रवार को 14वीं जेपीएससी परीक्षा में कथित धांधली के खिलाफ

पांचवें दिन भी जारी रहा सत्याग्रह, सरकार के खिलाफ अभ्यर्थियों का सत्याग्रह आंदोलन लगातार पांचवें दिन भी जारी रहा। राज्य के अलग-अलग जिलों से पहुंचे सैकड़ों अभ्यर्थियों ने सरकार के खिलाफ नारे लगाए और परीक्षा प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच की मांग की। छात्रों का कहना है कि जेपीएससी की परीक्षाएं लंबे समय से विवादों में रही हैं। उनका आरोप है कि 14वीं संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा में भी बड़े स्तर पर अनियमितताएं हुई हैं, जिससे मेहनती और योग्य अभ्यर्थियों का भविष्य प्रभावित हो सकता है।

सीबीआई जांच की मांगः अभ्यर्थियों का कहना है कि सरकार ने मामले की जांच के लिए सीआईडी और एसआईटी को जिम्मेदारी दी है, लेकिन उन्हें इस जांच पर भरोसा नहीं है। छात्रों के मुताबिक, पूरे मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच केवल सीबीआई ही कर सकती है। इसलिए सरकार को बिना देरी किए जांच केंद्रीय एजेंसी को सौंपनी चाहिए।

'सिर्फ इस्तीफा काफी नहीं, पूरी भर्ती प्रक्रिया की जांच हो'प्रदर्शन कर रहे छात्रों का कहना है कि केवल जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल। खियांगते का इस्तीफा लेने से पूरे मामले की सच्चाई सामने नहीं आएगी। उन्होंने मांग की कि पूरी परीक्षा प्रक्रिया की स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराई जाए। छात्रों ने साफ कहा कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होगी, सत्याग्रह आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सीबीआई जांच का आदेश नहीं दिया गया तो मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से नैतिक आधार पर इस्तीफे की मांग की जाएगी।

पुलिस के अधिकारों की सुरक्षा भी उतना हीं जरूरी है, जितनी किसी नागरिक कीः सुनील सिंह

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः सुनील कुमार सिंह ने जंतर- मंतर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान घायल पुलिसकर्मियों के बारे में कहा कि विरोध का अधिकार लोकतंत्र देता है, लेकिन पुलिस पर हमला किसी आंदोलन को वैधता नहीं देता। कानून की रक्षा करने वालों की सुरक्षा भी उतने ही जरूरी है, जितने किसी नागरिक के अधिकारों की। उन्होने कहा कि जब हेलमेट टूट जाए तब समझिए पत्थर सिर्फ वर्दी पर हीं नहीं, बल्कि कानून पर भी फेंके गए । कहा 20 (जुलाई) तारीख के बाद यही नैरेटिव चलाया जा रहा है कि छात्रों को पुलिस ने पीटा! लेकिन प्रोटेस्ट का सच कुछ और हीं है! हमला पुलिस वालों पर भी हुआ है, जिसे बताने की विपक्षी दल हिमाकत नहीं कर पा रहे हैं। छात्रों के प्रदर्शन में असामाजिक तत्व भी शामिल थे, जिन्होंने हिंसक भीड़ का सहारा लेकर पुलिस वालों को घसीटते हुए पीट पीट कर मारने करने की कोशिश की। जिसे हम घोर निंदा करते हैं और केंद्र सरकार से वैसे असामाजिक तत्वों पर कठोर से कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग करते हैं। कहा कि यदि पुलिसकर्मी किसी निर्दोष नागरिक पर बर्बरता से पेश आते हैं, तो पुलिसकर्मियों की भी निंदा की जाती है, परंतु बखूबी अपना ड्यूटी निभा रहे पुलिसकर्मियों पर इस तरह बर्बरतापूर्ण हमला काफी निंदनीय है। श्री सिंह ने सवालिया लहजे में कहा कि आखिर दिल्ली के जंतर मंतर पर ठएएळ मामले को लेकर विरोध झप्रदर्शन कर रहे छात्रों में 2873 अपराधिक गुंडे क्या कर रहे थे। जिसमें 989 पर गंभीर आपराधिक रिकॉर्ड, 284 पर डकैती लूट के आरोप, 229 पर आर्म्स एक्ट, 135 चैन स्नैचिंग, 101 हत्या के आरोपी, 92 यौन शोषण के आरोपी, 67 ड्रग्स माफिया, 19 किडनैपर शामिल थे। और प्रदर्शन कर रहे सीजेपी के साथ-साथ कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दलों के नेता छात्रों एवं युवाओं को मोहरा बनाकर अपना-अपना राजनीतिक रोटी सेंकने में लगे हैं। और भाजपा, आरएसएस, केंद्र की मोदी-शाह की सरकार के साथ पुलिस पर बर्बरतापूर्वक रवैया अपनाने का आरोप लगा रही है। जो बिल्कुल देश विरोधी और देश को तोड़ने की साजिश है। विपक्ष जब चुनाव जीतकर सत्ता में नहीं आ पा रही है, तो देश के छात्रों और युवाओं को बरगलाकर उसे मोहरा बनाकर अपना राजनीतिक चमकाकर सत्ता पाने की सपना देख रही है! जो मोदी शाह और योगी कभी कामयाब नहीं होने देंगे। उन्होने कहा की यदि छात्र शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे, तो फिर 20 जुलाई की घटना में 250 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हुए, 110 से अधिक बैरिकेड क्षतिग्रस्त हुए, 300 से अधिक बॉडी प्रोटेक्टर और 350 से अधिक हेलमेट क्षतिग्रस्त हुए, जबकि 50 से अधिक शील्ड और 20 से अधिक लाउडस्पीकर क्षतिग्रस्त कैसे हुए। इतना हीं नहीं आंकड़ों में 10 हैंडहेल्ड मेटल डिटेक्टर (एचएचएमडी) एक्स रे बैगेज स्कैनर और 25 से अधिक सरकारी वाहन तोड़फोड़ कर क्षतिग्रस्त किए गए। साथ हीं घटना के दौरान सार्वजनिक संपत्ति को भी नुकसान पहुंचाया गया। अर्थात उक्त घटित घटनाओं को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार द्वारा पीड़ित पुलिस कर्मियों के परिजनों की सुरक्षा मुहैया तथा घायल पुरुष कर्मियों को समुचित इलाज तथा न्याय दिया जाना चाहिए और दोषी अपराधियों तथा असामाजिक तत्वों को चिन्हित करते हुए कठोर से कठोर दंड दिया जाए, ताकि भविष्य में इस तरह का राष्ट्र के प्रति कुक्रित्य करने का साहस ना कर सके।

एसआर म्यूजिकल ग्रुप ने स्वर सम्राट मोहम्मद रफी को संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पित की

मेट्रो रेज

रांचीः एसआर म्यूजिकल ग्रुप की ओर से महान पार्श्वगायक मोहम्मद रफी की स्मृति में एक भव्य संगीतमय श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर सहित दूर-दराज से आए कई प्रतिष्ठित कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से रफी साहब को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्य अतिथि टी-सीरीज आस्था चैनल की आर्टिस्ट, सिंगर, एंकर एवं समाजसेवी वीणा श्री ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और तुम मुझे यूँ भुला न पाओगे गीत प्रस्तुत कर सभी को भावुक कर दिया। उन्होंने कहा कि रफी साहब कभी हमारे बीच से नहीं गए, वे हमेशा अपने अमर गीतों के माध्यम से लोगों के दिलों में जीवित रहेंगे।

एवीएन के डायरेक्टर, सृजन द स्पार्क के अध्यक्ष एवं समाजसेवी अरशद उबेद ने भी गीत जिंदगी तो बेवफा है प्रस्तुत कर श्रद्धांजलि दी। आईएफए के डायरेक्टर साबिर हुसैन, गायक रिजवान ने नफरत की दुनिया गीत से दर्शकों का दिल जीत लिया। पूनम वाला, दुर्गा तिवारी, एस।आर। शर्मा, शशि सिंह, ओ।पी। मिश्रा तथा अन्य कलाकारों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम के सफल संचालन और समन्वय की जिम्मेदारी रंजन ने निभाई।

ग्रुप के संस्थापक एवं सुप्रसिद्ध गायक सावन कुमार उर्फ बाबूलाल दास ने सुख के सब साथी गीत से कार्यक्रम की शुरूआत की तथा सभी अतिथियों को शॉल और पुष्पगुच्छ भेंटकर सम्मानित किया। वरिष्ठ मीडिया कर्मी बुलंद अख्तर ने भी पुष्प अर्पित कर रफी साहब को श्रद्धांजलि दी। अंत में मुख्य अतिथि वीणा श्री ने सभी कलाकारों, अतिथियों एवं उपस्थित श्रोताओं का आभार व्यक्त किया।

झारखंड मत्स्य विभाग में बड़ा फेरबदल 12 पदाधिकारियों का तबादला

- रांची-दुमका-हजारीबाग सहित 12 जिला/कार्यालयों में बदलाव
- जारी अधिसूचना के अनुसार कुल 12 पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः झारखंड सरकार के मत्स्य, पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग ने राज्य के मत्स्य सेवा संवर्ग में बड़े पैमाने पर पदस्थापना और स्थानांतरण किया है। विभागीय स्थापना समिति की 24।07।2026 को हुई बैठक की अनुशंसा के आधार पर 31 जुलाई को अधिसूचना जारी की गई।

प्रमुख तबादले इस प्रकार हैंः

1। प्रशान्त कुमार दीपक - मुख्य अनुदेशक, मत्स्य किसान प्रशिक्षण केन्द्र रांची ? जिला मत्स्य पदाधिकारी सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, दुमका
2।जयन्त रंजन - जिला मत्स्य पदाधिकारी सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, रांची ? मुख्य अनुदेशक, मत्स्य किसान प्रशिक्षण केन्द्र, रांची
3।प्रदीप कुमार - जिला मत्स्य पदाधिकारी, हजारीबाग ? जिला मत्स्य पदाधिकारी सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, रांची
4। लिपिका बनर्जी - जिला मत्स्य पदाधिकारी, खूंटी ? जिला मत्स्य पदाधिकारी सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, हजारीबाग
5।रौशन कुमार - जिला मत्स्य पदाधिकारी, सरायकेला-खरसावां ? जिला मत्स्य पदाधिकारी, खूंटी। साथ में झारकोफिश, रांची में प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार
6। अलका पन्ना - जिला मत्स्य पदाधिकारी, पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर ? सहायक मत्स्य निदेशक तकनीकी, मत्स्य निदेशालय रांची
7।मो। कमरुज्जमां - जिला मत्स्य पदाधिकारी, पलामू ? जिला मत्स्य पदाधिकारी सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर
8।दीपंकर सीट - जिला मत्स्य पदाधिकारी, देवघर ? जिला मत्स्य पदाधिकारी सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, पलामू
9।नवराजन तिर्की - जिला मत्स्य पदाधिकारी, दुमका ? जिला मत्स्य पदाधिकारी, सरायकेला-खरसावां
10।सीमा कुमारी कुजूर - निदेशक मत्स्य के सचिव, मत्स्य निदेशालय रांची ? जिला मत्स्य पदाधिकारी सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, धनबाद
11।उषा किरण - जिला मत्स्य पदाधिकारी, धनबाद ? निदेशक मत्स्य के सचिव, मत्स्य निदेशालय रांची
12।रणविजय कुमार - सहायक मत्स्य निदेशक तकनीकी, मत्स्य निदेशालय रांची ? जिला मत्स्य पदाधिकारी सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, देवघर

विभाग द्वारा जारी अधिसूचना में सभी पदाधिकारियों को अविलंब नए पदस्थापन स्थान पर योगदान देने का निर्देश दिया गया है।

इस फेरबदल से राज्य में मत्स्य पालन योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है।

स्वास्थ्य उपकेन्द्र के निर्माण में किया रहा है खराब ईट का इस्तेमाल

मुरीः बड़ा मुरी में दो नम्बर और कमजोर ईट से उप स्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण किया जा रहा है। निर्माण स्थल पर इंजीनियर को देखा ही नहीं जाता है। 55 लाख की लागत से उपकेंद्र का निर्माण किया जा रहा। नींव मे इसी ईट का प्रयोग हुआ है। इस ईट का कोई प्रमाण पत्र नहीं है कि एक नम्बर है की दो नम्बर। आखिर जिम्मेवार लोग कहां रहते हैं। लोग ही फैसला करें आम जनता के टैक्स के पैसा से बनने वाला उप स्वास्थ्य केन्द्र का स्वास्थ्य भविष्य में कैसा होगा।

टेक्स्ट मैसेज धोखाधड़ी से बचाव को लेकर एनपीसीआई ने बढ़ाई जागरूकता

रांचीः डिजिटल भुगतान के बढ़ते उपयोग के बीच नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने टेक्स्ट मैसेज धोखाधड़ी के प्रति लोगों को जागरूक रहने की सलाह दी है। संस्था के अनुसार साइबर ठग अक्सर फर्जी एसएमएस के जरिए बैंक, सरकारी एजेंसी या अन्य भरोसेमंद संस्थाओं के नाम पर लोगों को लिंक पर क्लिक करने, हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करने, ऐप डाउनलोड करने या ओटीपी, यूपीआई पिन और पासवर्ड जैसी गोपनीय जानकारी साझा करने के लिए प्रेरित करते हैं। एनपीसीआई ने लोगों से किसी भी संदेश पर कार्रवाई करने से पहले उसकी सत्यता की जांच करने, केवल आधिकारिक स्रोतों से ही ऐप डाउनलोड करने और बैंक खाते में पैसे आने की पुष्टि सीधे खाते की जांच कर करने की अपील की है।

रांची एयरपोर्ट पर एयर इंडिया सेट्स करेगी कार्गो हैंडलिंग क्षमता का विस्तार

- 2027 तक 20 हजार मीट्रिक टन करने का लक्ष्य

संवाददाता

रांचीः रांची एयरपोर्ट पर एयर इंडिया सेट्स (एआइएसएटीएस) कार्गो हैंडलिंग क्षमता का विस्तार करने जा रही है। कंपनी ने वर्ष 2027 तक यहां प्रतिवर्ष 20 हजार मीट्रिक टन कार्गो हैंडलिंग का लक्ष्य निर्धारित किया है। यह पहल पूर्वी भारत में तेजी से बढ़ते औद्योगिक, कृषि एवं ई-कॉमर्स क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए की जा रही है। कंपनी ने इस वर्ष अब तक 7992 मीट्रिक टन कार्गो हैंडलिंग की है, जो पिछले साल के मुकाबले नौ प्रतिशत अधिक है। पिछले वर्ष प्रतिमाह औसतन लगभग 900 मीट्रिक टन कार्गो की हैंडलिंग रांची एयरपोर्ट से होती थी। वहीं, वर्ष 2024 में 850 मीट्रिक टन कार्गो की हैंडलिंग प्रतिमाह होती थी। वर्ष 2024 में रांची में कार्गो संचालन शुरू करने के बाद एआइएसएटीएस ने स्थानीय उद्योगों, निर्यातकों और व्यापारियों को आधुनिक व विश्वसनीय लॉजिस्टिक्स सेवाएं उपलब्ध करायी है। कंपनी वर्तमान में एयरपोर्ट पर एयर कार्गो टर्मिनल का संचालन कर रही है, जहां आधुनिक वेयरहाउसिंग, एक्स-रे स्क्रीनिंग, तापमान नियंत्रित भंडारण तथा सुरक्षित कार्गो प्रबंधन जैसी सुविधाएं हैं। उक्त जानकारी एआइएसएटीएस के चीफ ऑपरेशनल ऑफिसर सलीम चौधरी ने दी।

रांची तेजी से उभरता औद्योगिक केंद्रः सलीम चौधरी ने कहा कि रांची तेजी से उभरता औद्योगिक केंद्र है। रांची से सालाना हैंडलिंग क्षमता 18250 मीट्रिक टन है। रांची बढ़ती लॉजिस्टिक्स जरूरतों को पूरा करने के लिए अच्छी स्थिति में है। यहां फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग उत्पाद, मोबाइल, दवाएं, कृषि उपज, वस्त्र एवं हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं। बेहतर एयर कार्गो सुविधाओं से स्थानीय उद्योगों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच बनाने में मदद मिलेगी।

पूरा होगा लक्ष्य : सलीम चौधरी ने कहा कि कार्गो हैंडलिंग का लक्ष्य पूरा करने के लिए कंपनी ने चेंबर, एयरपोर्ट के अधिकारियों, कार्गो एजेंट, फेट फॉरवर्डर, ट्रेड एसोसिएशन व मैन्युफैक्चरर से बातचीत की है। इस विस्तार से व्यापार को नयी गति मिलेगी, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे तथा झारखंड की आर्थिक प्रगति को भी बल मिलेगा।

रांची से देश के विभिन्न राज्यों में भेजी जाती है सब्जीः कंपनी के असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट (कॉमर्शियल एंड बिजनेस) शैलेश कुमार ने कहा कि रांची से देश के विभिन्न राज्यों में सब्जी भेजी जाती है। इसमें फ्रेंचबीन, मटर, टमाटर, आदि शामिल है। वहीं, वर्तमान में रांची में धनिया पत्ता की आपूर्ति बेंगलुरु से हो रही है।

भगवान महावीर अस्पताल व राउंडटेबल लेडीज सर्कल का निशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः भगवान महावीर हॉस्पिटल संस्थान की इकाई भगवान महावीर आई अस्पताल एवं राउंडटेबल इंडिया, लेडीज सर्कल के सहयोग से गोंदा थाना (कांके रोड) में निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया।

ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह, डीएसपी (सदर) संजीव बेसरा, सार्जेंट मेजर आनंद खलखो के नेतृत्व में कैम्प का आयोजन किया गया। मौके पर गोंदा एसएचओ अभय सिन्हा भी उपस्थित रहे।

चिकित्सकों के परामर्श के अनुसार मोतियाबिंद से ग्रसित पाए गए मरीजों को निशुल्क चिकित्सा सुविधा भगवान महावीर आई अस्पताल में मुहैया करवाई जाएगी। नेत्र जांच शिविर का आयोजन अध्यक्ष संतोष जैन

पाटनी, सचिव पंकज सेठी, आई कमिटी के अध्यक्ष कमल विनायका के सहयोग से किया गया। राउंडटेबल रांची-244 के चेयरमैन संदीप खेमका, वाइस चेयरमैन पौरुष जैन, सेक्रेटरी अविराज अग्रवाल, अनिरुद्ध सरावगी, लेडीज सर्कल 169 की चेयरपर्सन अंशु गुप्ता, नेहा खेमका, हर्षा जैन, अविनाश जैन, सन्नी केडिया ने कैम्प का संचालन किया।

शिविर में पचास से अधिक पुलिस कर्मियों ने अपने आंखों की जांच करवाई। भगवान महावीर हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर संस्थान, राउंडटेबल एवं लेडीज सर्कल की पहल पर यह कैम्प आयोजित किया गया। भगवान महावीर अस्पताल संस्थान के अध्यक्ष संतोष जैन पाटनी, सचिव पंकज सेठी, उपाध्यक्ष गोविंद सरावगी एवं कमल विनाइकया, सह सचिव रोहित जैन एवं अमित जैन, कोषाध्यक्ष जितेन्द्र छाबड़ा ने शिविर के सफल संचालन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

महावीर आई अस्पताल के टेक्नीशियन, शिवानंद प्रसाद, दुब्राज महतो एवं नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

भगवान महावीर हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर (चैरीटेबल) संस्था के अध्यक्ष संतोष जैन ने बताया कि संस्था द्वारा समाज कल्याण के लिए कई कदम उठाए जाते रहें हैं, जिनमे इस अस्पताल में जरूरतमंद लोगों की इलाज में आर्थिक मदद संस्था द्वारा की जाती है।

साथ ही संस्था द्वारा भगवान महावीर आई हॉस्पिटल में निशुल्क नेत्र जाँच एवं निशुल्क मोतियाबिंद चिकित्सा की जाती है। पिछले तीन साल में में दो हजार से अधिक लोगों की निशुल्क मोतियाबिंद सर्जरी की गयी है। उक्त जानकारी जनसंपर्क अधिकारी पौरुष जैन ने दी।

राउंडटेबल इंडिया

सामाजिक कार्यों के प्रति समर्पित अंतरराष्ट्रीय स्तर की संस्था राउंड टेबल इंडिया व लेडिज सर्किल द्वारा सामुदायिक विकास कार्यक्रम के तहत समाज के कमजोर वर्ग के लोगों को सहयोग किया जाता है। शिक्षा के क्षेत्र में संस्था द्वारा कई उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं। इसके तहत हटिया के हजाम बस्ती में पारसनाथ पब्लिक स्कूल की स्थापना संस्था द्वारा कराई गई है। साथ ही खूंटी में एन डी ग्रोवर स्कूल की स्थापना भी राउंडटेबल के माध्यम से की गई है । देश भर में राउंड टेबल ने दस हजार से अधिक क्लासरूम की स्थापना की है।

Govt. of Jharkhand
OFFICE OF THE NAGAR PARISHAD SIMDEGA

Call Notice Inviting E-Tender

E-Tender Reference No. - UDD/SNP//2026-27 **Date30-07-2026**

The undersigned invites overall percentage rate bids for the work mentioned in table below through E-Procurement from eligible and approved contractor registered in appropriate class in State Government Department of Urban Development & Housing Department, Jharkhand, the bid shall be submitted online in the website http://jharkhandtenders.gov.in. The bidder(s) should have necessary portal enrolment with their own digital signature certificate:

Sl No.	Tender Reference No.	Name of Work	Estimated Cost (In Rs)	Earnest Money (In Rs)	Tender Fee (In Rs Non-Refundable)	Period of Completion
1	UDD/SNP/ / 02/2026-27	STRENGTHENING OF BITUMENOUS ROAD FROM ST. XAVIER'S COLLEGE TO NEAR WRD OFFICE UNDER NAGAR PARISHAD SIMDEGA.	1,74,88,600.00	3,49,800.00	10,000.00	90 DAYS
Tender Inviting Authority		Executive Officer Nagar Parishad Simdega Address: - Office of the Executive Officer Nagar Parishad Simdega, Jharkhand	Date of Publication (Online) 30/07/2026 at 16:00 Hrs	Availability of Tender for online bid submission. 30/07/2026 at 16:00 Hrs to 20/08/2026 up to 16:00 Hrs		Opening of Bid: 21/08/2026 at 16:00 Hrs

Note: Updated estimate cost and earnest money should be taken as mentioned in the website.
NOTE: - Please visit for further Detail to www.jharkhandtenders.gov.in

Executive Officer
Nagar Parishad, Simdega

PR 386365 Simdega(26-27).D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

साधन पथ प्रदर्शक हैं गुरु, किन्तु साध्य नहीं

सद्गुरु पूजनीय, वंदनीय और पथ प्रदर्शक हैं, वह शिष्य के अज्ञान अंधकार को दूर कर ज्ञान रुपी दीपक जलाने वाला और परमात्म प्राप्ति हेतु साधन का दिग्दर्शन कराने वाला महापुरुष है। वह केवल गुरु ही है, जो अपने शिष्य में पिंड से लेकर ब्रह्मांड तक दर्शन की क्षमता विकसित करता है, गुरु ही अपने शिष्य को कर्म ज्ञान और भक्ति का यथार्थ दर्शन कराता है, जिसके सहारे शिष्य अध्यात्म के उस शिखर पर पहुंच सकता है, जहां जाने के बाद सांसारिक सुख-समृद्धि और वैभव तुच्छ दिखाई देने लगते हैं किंतु वह साध्य नहीं है और न ही ध्येय हो सकता है। ध्येय है, सर्वव्यापी, निर्विकार, निराकार और नियंता, परब्रह्म परमात्मा। गुरु का महत्व समझाते हुए अक्सर इन पंक्तियों को भी उद्धृत किया जाता है। संत कबीरदास का यह प्रसिद्ध दोहा गुरु की महिमा का बखान करता है-

(गुरु और ईश्वर दोनों एक साथ खड़े हों तो पहले किसे प्रणाम करना चाहिए? ऐसे में गुरु के चरण पहले छूने चाहिए क्योंकि गुरु ने ही हमें ईश्वर तक पहुँचने का सही मार्ग और ज्ञान दिया है।)

यह सद्गुरु की महिमा है किंतु इस उक्ति का अभिप्राय ऐसा नहीं लिया जाना चाहिए कि गुरू ने गोविंद का पथ बतलाया है इसलिए उन्हें ही पकड़ कर बस वहीं ठहर जाना चाहिए बल्कि इसको इस रूप में लिया जाना चाहिए कि हम उस गुरु को पहले वंदन करें जो गोविन्द को बताकर परे हट गए कि देख यह सीधा सरल रास्ता गोविन्द की ओर ही जा रहा है, तू इसे पकड़ ले. तो हम उस गुरु को प्रथम प्रणिपात करें, जिन्होंने गोविन्द को पा लेने का मार्ग बताया ओर अलग हट गए, कि देख गोविन्द तुझे ऐसे मिलेंगे। सद्गुगुरु कहता है कि अब मेरी आवश्यकता रह ही नहीं जाती है। मेरे द्वारा जो पथ बताया गया है, उस पथ पर ही चलते चलते चले जाना है। सद्गुरू कहता है कि अब तू चलता चला जा उस पथ पर, जो मैंने तुझे बताया है। वास्तविकताओं में भी पथ का दिग्दर्शन कराने के बाद पथ प्रदर्शक की भूमिका आखिर क्या रह जाती है? सद्गुरु ने हमें जो रास्ता बता दिया उसके अनुसार हम अपनी यात्रा शुरू कर दें, यही उचित है। किंतु यदि हम चले नहीं और उस पथ प्रदर्शक या गुरु के पास रुके रह जाएं तो क्या हम अपनी मंज़िल पर पहुंच सकेंगे? उत्तर होगा नहीं। इन पंक्तियों का सार तत्व यही है कि हमें अपने गुरु ने जो रास्ता बताया है, उस पर चलना शुरू कर दें तो परमात्मा रूपी मंजिल मिलेगी। यही है गुरू पूजा और दक्षिणा भी यही है कि उनके बताए मार्ग का अनुसरण करते हुए गुरु आज्ञानुसार परमात्मतत्व कीर्तन, जप, ध्यान ओर स्मरणरत हों। पथ प्रदर्शक सत्गुरु के बताए अनुसार साधन के माध्यम से ही साध्य परमात्मा को पाने की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है। सारभूत तत्व यही है कि उस गुरु का बड़ा आभार जो कि गोविन्द का पथ बताकर रास्ते से परे हट गए। गुरू मनुष्य की अंधकार से प्रकाश की आध्यात्मिक यात्रा का प्रेरक तत्व है। गुरु एक सीढ़ी है, जिसके सहारे ऊपर जाया जा सकता है, किंतु वह मंजिल नहीं है जहां जाकर सब यात्राएं विराम पा लेती है। गुरु तैरना सिखा देता है ताकि दरिया को पार किया जा सके, किंतु यदि कोई व्यक्ति जरूरत के वक्त भी गुरु के उस ज्ञान को अंगीकार नहीं करे तो वह डूबने से आखिर कैसे बचेगा? वस्तुतः गुरु एक सीढ़ी है, सीढ़ी के सहारे ऊपर तो चढ़ा जा सकता है किन्तु उसे ही थामे रखकर वास्तविक उद्देश्य की प्राप्ति नहीं की जा सकती। आचार्य रजनीश कहते हैं, ₹गुरु एक सीढ़ी या निसेनी है, जिसपर चढ़कर ऊपर पहुंच जाओ और उसे गिरा दो किंतु यदि तुम उस निसेनी को थाम कर ही बैठे रह गए तो जिस उद्देश्य के लिए निसेनी पर चढ़ कर ऊपर पहुंचे हो तो उसे कभी पूरा नहीं कर पाओगे। यह प्रश्न भी किया जा सकता है कि निसेनी यदि गिरा दोगे तो फिर नीचे कैसे आओगे? कहा जाना चाहिए कि उस अनंत की यात्रा उच्च सोपान की यात्रा है, उस परम पुरुष तक पहुंचने की यात्रा जो कि अध्यात्म का चरम लक्ष्य है, हमारे ऋषियों-महर्षियों ने वैदादिकों में इसका गुणगान किया है और महात्मा पुरूषों ने इसकी बहुभांति विवेचना भी की है। गुरू एक माध्यम है, जिसके द्वारा गोविन्द का ज्ञान होता है इसलिए गुरु ने गोविन्द की प्राप्ति के लिए जो साधन बताए हैं, हम वह साधन करें तो उस परमात्म तत्व की प्राप्ति की ओर बढ़ा जा सकता है। किंतु यदि हम गुरु द्वारा बताए गए साधन नहीं करें और गुरु के नाम का ही जाप करते रहें तो हमें क्या प्राप्त होगा? इसलिए निसेनी गिरा देने का अर्थ इतना ही है कि गुरू को नहीं पकड़ते हुए गुरू ने जो उपदेश दिया है उस पर अमल कर आत्मसात करें। साथ ही उन्होंने जो कुछ कहा है अथवा उनके द्वारा जो साधन बताया गया है, उसे पूरी श्रद्धा से अंगीकार करें।

शास्त्र कहते हैं कि शिक्षा गुरु तो अनेक हो सकते हैं किंतु दीक्षा गुरु केवल एक होना चाहिए, किंतु प्रश्न पैदा होता है कि वह कैसा हो? हमारे शास्त्रों में उल्लेख किया गया है कि वह अपने शिष्यों के लिए निरपेक्ष भाव से भावित और ब्रह साक्षात्कार का मार्ग प्रशस्त करने वाला हो, न कि गुरु दक्षिणा के नाम पर धन की अपेक्षा रखने वाला हो। आज देखा जाता है कि ज्यादातर महात्मा अपने अनुयायियों को अपने पंथ से जोड़े रखने ओर स्वयं के प्रति पूज्यता के भाव को बनाए रखने के लिए गुरु की महत्ता को अतिशयोक्तिपूर्ण ढंग से बखान करते हुए शिष्यों को बांधे रखते है, ऐसा व्यक्ति संत कहला सकता है किंतु वह सद्गुरु नहीं हो सकता। सद्गुरु तो पथ प्रदर्शक है, शिष्य के अज्ञान अंधकार को दूर कर ज्ञान रुपी दीपक जलाने वाला। ऐसा वह गुरु वंदनीय और प्रथम प्रणाम करने योग्य है, वह ब्रह्म स्वरूप है।

नामत्सो: तिब्बत की 'स्वर्गीय झील', जहां प्रकृति, आस्था और संस्कृति का अद्भुत संगम

तिब्बती भाषा में 'ग्नाम त्सो' कहलाने वाली इस झील का अर्थ 'स्वर्गीय झील' है। इसे तिब्बत की सबसे पवित्र झीलों में गिना जाता है और हर वर्ष हजारों श्रद्धालु यहां आध्यात्मिक साधना और तीर्थयात्रा के लिए पहुंचते हैं। समुद्र तल से करीब 4,718 मीटर की ऊंचाई पर स्थित नामत्सो दुनिया की सबसे ऊंचाई पर स्थित बड़ी खारे पानी की झीलों में शामिल है।

ओमप्रकाश सिंह

तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में ल्हासा से लगभग 240 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम स्थित नामत्सो झील केवल एक प्राकृतिक जलाशय नहीं बल्कि तिब्बती संस्कृति, बौद्ध आस्था और वैज्ञानिक शोध का महत्वपूर्ण केंद्र है। तिब्बती भाषा में 'ग्नाम त्सो' कहलाने वाली इस झील का अर्थ 'स्वर्गीय झील' है। इसे तिब्बत की सबसे पवित्र झीलों में गिना जाता है और हर वर्ष हजारों श्रद्धालु यहां आध्यात्मिक साधना और तीर्थयात्रा के लिए पहुंचते हैं। समुद्र तल से करीब 4,718 मीटर की ऊंचाई पर स्थित नामत्सो दुनिया की सबसे ऊंचाई पर स्थित बड़ी खारे पानी की झीलों में शामिल है। लगभग 1,920 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली यह झील करीब 70 किलोमीटर लंबी और 30 किलोमीटर चौड़ी है। इसकी अधिकतम गहराई लगभग 125 मीटर है। झील को मुख्य रूप से न्येनचेन तांगला पर्वतमाला से आने वाले हिमनदों के पिघले पानी और मौसमी जलधाराओं से जल मिलता है। नामत्सो का प्राकृतिक सौंदर्य इसे एशिया के सबसे आकर्षक स्थलों में स्थान दिलाता है। नीले जल, बर्फ से ढंके पर्वत, विस्तृत घास के मैदान और गर्मियों में खिलने वाले जंगली फूल यहां की पहचान हैं। सर्दियों में पूरी झील बर्फ की मोटी चादर से ढंक जाती है। कठोर जलवायु के बावजूद यह क्षेत्र जैव विविधता से समृद्ध है। यहां तिब्बती हिरण, कियांग, नीली भेड़, हिमालयी मर्मोट और तिब्बती लोमड़ी जैसे दुर्लभ वन्यजीव पाए जाते हैं। झील के

आसपास की आर्द्रभूमि बार-हेडेड गूज, रड्डी शेलडक, ब्राउन-हेडेड गल और संकटग्रस्त ब्लैक-नेक्ड क्रेन जैसे प्रवासी पक्षियों का भी महत्वपूर्ण आवास है।

नामत्सो सदियों से तिब्बती घुमंतू समुदाय 'द्रोकपा' का निवास क्षेत्र रहा है। इनकी आजीविका याक, भेड़ और बकरियों के पालन पर आधारित है। पारंपरिक याक के बालों से बने तंबू, मक्खन वाली चाय, ऊनी वस्त्र और पशुपालन यहां की सांस्कृतिक पहचान हैं। तिब्बती बौद्ध धर्म में नामत्सो को चार प्रमुख पवित्र झीलों में गिना जाता है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि झील की परिक्रमा और यहां प्रार्थना करने से पापों का नाश होता है तथा आध्यात्मिक पुण्य की प्राप्ति होती है। लगभग 70 से 80 किलोमीटर लंबी 'नामत्सो कोरा' परिक्रमा को अनेक श्रद्धालु कई दिनों में पैदल पूरी करते हैं, जबकि कुछ श्रद्धालु दंडवत प्रणाम करते हुए पूरी यात्रा संपन्न करते हैं। तिब्बती पंचांग के अनुसार 'भेड़ वर्ष' में, जो हर 12 वर्ष में आता है, यहां हजारों श्रद्धालु एकत्र होते हैं। बौद्ध धर्म के आगमन से पहले भी यह झील बोन धर्म के अनुयायियों के लिए अत्यंत पवित्र मानी जाती थी। बाद में तिब्बती बौद्ध परंपरा ने इन मान्यताओं को अपने धार्मिक दर्शन में समाहित कर लिया। झील के निकट स्थित न्येनचेन तांगला पर्वत को नामत्सो का दिव्य सहचर माना जाता है। नामत्सो के द्वीपों और चट्टानों पर स्थित गुफाओं और आश्रमों में बौद्ध भिक्षु लंबे समय तक ध्यान और साधना करते रहे हैं। ऐतिहासिक विवरण बताते हैं कि कई साधक पूरी गर्मियां इन निर्जन द्वीपों पर बिताते थे और सर्दियों में झील जमने के बाद ही वापस लौटते थे। धार्मिक महत्व के साथ-साथ नामत्सो वैज्ञानिक अनुसंधान का भी प्रमुख केंद्र बन चुका है। नामत्सो मल्टीस्फीयर ऑब्जर्वेशन एंड रिसर्च स्टेशन के वैज्ञानिक यहां जलविज्ञान, जलवायु, हिमनदों और पारिस्थितिकी तंत्र पर लगातार अध्ययन कर रहे हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार तापमान में वृद्धि, वर्षा के बदलते स्वरूप और तेजी से पिघलते हिमनदों का असर झील के जलस्तर और पूरे तिब्बती पठार की जल प्रणाली पर दिखाई दे रहा है।

हाल के वर्षों में पर्यटन बढ़ने से नामत्सो तक पहुंच आसान हुई है। ताशी दोर प्रायद्वीप पर्यटकों के लिए प्रमुख प्रवेश द्वार बन चुका है। हालांकि पर्यटकों की बढ़ती संख्या के कारण कचरा प्रबंधन, प्राकृतिक आवास की सुरक्षा और नाजुक पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण जैसी चुनौतियां भी सामने आई हैं। क्षेत्रीय प्रशासन ने पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए कई संरक्षण उपाय लागू किए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि नामत्सो केवल एक झील नहीं, बल्कि तिब्बत की प्राकृतिक विरासत, सांस्कृतिक परंपरा, धार्मिक आस्था और पर्यावरणीय महत्व का जीवंत प्रतीक है। यही कारण है कि यह झील आज भी दुनिया भर के श्रद्धालुओं, पर्यटकों और वैज्ञानिकों के लिए समान रूप से आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

रिकॉर्ड एफडीआई ने बताया क्यों है दुनिया का भारत पर भरोसा !

सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण वैश्विक कंपनियों का भरोसा टूट रहा है, किंतु इन तमाम विपक्षी राजनीतिक दावों को संसद में प्रस्तुत ताजा आंकड़ों ने नकार दिया है। क्योंकि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने 94.84 अरब डॉलर के सकल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का नया रिकॉर्ड बनाया है।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर वर्षों से अनेक तरह के राजनीतिक आरोप लगाए जाते रहे हैं। कभी कहा जाता है कि विदेशी निवेशक भारत से दूर जा रहे हैं, कभी यह दावा किया जाता है कि सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण वैश्विक कंपनियों का भरोसा टूट रहा है, किंतु इन तमाम विपक्षी राजनीतिक दावों को संसद में प्रस्तुत ताजा आंकड़ों ने नकार दिया है। क्योंकि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने 94.84 अरब डॉलर के सकल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का नया रिकॉर्ड बनाया है। यह इस बात का प्रमाण है कि दुनिया के बड़े निवेशक भारत को भरोसेमंद और सबसे अधिक संभावनाओं वाले देशों में मान रहे हैं।

वस्तुतः राज्यसभा में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी द्वारा प्रस्तुत आंकड़े आज बताते हैं, वित्त वर्ष 2024-25 में जहां सकल एफडीआई 80.61 अरब डॉलर था, वहीं अगले ही वर्ष यह बढ़कर 94.84 अरब डॉलर हो गया। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि नेट एफडीआई भी 0.96 अरब डॉलर से बढ़कर 6.95 अरब डॉलर पहुंच गया है। इसका अर्थ यह है कि विदेशी निवेशकों का वास्तविक भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि नेट एफडीआई में पहले जो गिरावट दिखाई दी थी, उसका प्रमुख कारण निवेशकों द्वारा लाभ लेकर पूंजी वापस ले जाना और भारतीय कंपनियों का विदेशों में तेजी से निवेश करना था। अर्थात भारत से पूंजी का बाहर जाना आर्थिक कमजोरी न होकर यह भारतीय उद्योगों के वैश्विक विस्तार का संकेत है। मोदी सरकार के दौर में निवेश को किया प्रोत्साहित भारत ने वर्ष 2014 के बाद विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए व्यापक आर्थिक सुधार किए हैं। रक्षा और रेलवे का क्षेत्र हो या बीमा, नागरिक उड्डयन, कोयला अथवा अंतरिक्ष, दूरसंचार, ई-कॉमर्स, सिंगल-ब्रांड रिटेल और डिजिटल सेवाओं के साथ विनिर्माण जैसे अनेक क्षेत्र, इन सभी में एफडीआई नियमों को उदार बनाया गया। इसके अलावा केंद्र की मोदी सरकार के मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, उत्पादन-संबंधित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन, जीएसटी, दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) और व्यापार सुगमता में सुधार जैसे अनेक कदमों ने भारत को निवेशकों के लिए अधिक आकर्षक बनाया। कहना होगा कि केंद्र की भाजपा सरकार के कार्यकाल में भारत ने कई वर्षों तक 70 से 85 अरब डॉलर के बीच एफडीआई आकर्षित किया और अब 2025-26 में लगभग 95 अरब डॉलर का नया रिकॉर्ड स्थापित कर दिया। वस्तुतः यह दशार्ता है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत निवेशकों की पहली पसंद बना हुआ है। किन देशों ने भारत पर सबसे अधिक भरोसा जताया?मोदी सरकार के दौरान भारत में आने वाले एफडीआई का सबसे बड़ा स्रोत लगातार सिंगापुर रहा है। इसके बाद मॉरीशस का स्थान आता है, जोकि लंबे समय से भारत में निवेश का प्रमुख माध्यम रहा है। इनके अतिरिक्त जिन देशों ने भारत में उल्लेखनीय निवेश किया है, उनमें अमेरिका, नीदरलैंड, जापान, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी, फ्रांस, दक्षिण कोरिया, केमैन द्वीप समूह प्रमुख हैं।

हाल के वर्षों में यूएई के साथ हुए व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) के बाद वहां से निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। जापान ने औद्योगिक कॉरिडोर, मेट्रो रेल, ऑटोमोबाइल और हाई-टेक विनिर्माण में भारी निवेश किया है, जबकि अमेरिका की अग्रणी प्रौद्योगिकी कंपनियां भारत को अपने भविष्य के डिजिटल केंद्र के रूप में देख रही हैं। केवल सेवाएं नहीं, अब विनिर्माण भी आकर्षण का केंद्रसंयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन (यूएनसीटीएडी) की नवीनतम विश्व निवेश रिपोर्ट बताती है कि भारत सेवा क्षेत्र तक सीमित निवेश गंतव्य से आगे बढ गया है। अब यहां इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर, अक्षय ऊर्जा, रक्षा उत्पादन, ऑटोमोबाइल, लॉजिस्टिक्स और उच्च प्रौद्योगिकी विनिर्माण में भी विदेशी कंपनियां तेजी से निवेश कर रही हैं। यही कारण है कि भारत ने वैश्विक एफडीआई रैंकिंग में दो स्थानों की छलांग लगाकर 13वें से 11वें स्थान पर पहुंचने में सफलता प्राप्त की। ग्रीनफील्ड निवेश में भी दुनिया का विश्वासवर्ष 2025 की सबसे बड़ी घोषित ग्रीनफील्ड परियोजना भारत में आई। अमेरिका की अ'स्त्रौ३ क्ल्लू. ने लगभग 14.5 अरब डॉलर के डेटा सेंटर निवेश की घोषणा की। यह परियोजना निश्चित तौर पर भारत के डिजिटल भविष्य पर वैश्विक विश्वास का प्रतीक है। इसी प्रकार पोलैंड की ल्ठ८ल्ला१ ने आंध्र प्रदेश में लगभग 4 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की। हरित ऊर्जा, हाइड्रोजन और औद्योगिक अवसंरचना के क्षेत्र में ऐसे निवेश भारत को भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए तैयार कर रहे हैं। भारतीय कंपनियां भी बन रही हैं वैश्विक खिलाड़ीमोदी सरकार ने आंकड़ों के आधार पर यह भी बताया है कि वर्ष 2022 में लागू उदार विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (ओडीआई) नियमों के बाद भारतीय कंपनियां विदेशों में तेजी से विस्तार कर रही हैं। टाटा समूह, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अदाणी समूह, इंफोसिस, टीसीएस, विप्रो, सन फार्मा, महिंद्रा समूह और अन्य भारतीय कंपनियां विश्व के अनेक देशों में निवेश बढ़ा रही हैं। वस्तुतः यह प्रवृत्ति बताती है कि भारत अब विदेशी निवेश लेने, उसे आमंत्रित करने के साथ वैश्विक निवेश करने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था भी बन रहा है। निवेशक लाभ कमा रहे हैं, इसलिए लौट भी रहे हैंविपक्ष अक्सर विदेशी निवेशकों द्वारा पूंजी वापस ले जाने को भारत से विश्वास समाप्त होने का संकेत बताता है, जबकि आर्थिक दृष्टि से इसका दूसरा पक्ष अधिक महत्वपूर्ण है। जब निवेशक अच्छा लाभ कमाते हैं तो वे अपने मुनाफे का एक हिस्सा वापस भी लेते हैं। यह किसी भी सफल निवेश गंतव्य की सामान्य प्रक्रिया होती है, इसलिए निवेश की वापसी इस बात का प्रमाण भी है कि भारत में निवेश लाभदायक रहा है। यदि निवेशकों को अपेक्षित प्रतिफल नहीं मिलता, तो वे नए निवेश की घोषणा नहीं करते, जबकि भारत में लगातार नई परियोजनाओं की घोषणा हो रही है। भारत की सबसे बड़ी ताकत–स्थिरता और विशाल बाजारविदेशी निवेशक केवल कर छूट देखकर निर्णय नहीं लेते। वे राजनीतिक स्थिरता, नीति की निरंतरता, कानून व्यवस्था, डिजिटल अवसंरचना, कुशल मानव संसाधन और विशाल उपभोक्ता बाजार को भी देखते हैं, इसलिए आज भारत निवेश आकर्षित करने में अनेक बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। आंकड़े बोलते हैं !लोकतंत्र में सरकार की नीतियों की आलोचना होना स्वाभाविक है, किंतु आर्थिक बहस तथ्यों पर आधारित होनी चाहिए। संसद में प्रस्तुत रिकॉर्ड एफडीआई, संयुक्त राष्ट्र की विश्व निवेश रिपोर्ट, वैश्विक रैंकिंग में भारत की छलांग, ग्रीनफील्ड परियोजनाओं में विश्व नेतृत्व और लगातार बढ़ता विदेशी विश्वास स्पष्ट संकेत देते हैं कि भारत आज दुनिया की सबसे आकर्षक निवेश अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुका है।

कहना यही होगा कि भारत में बढ़ता एफडीआई विकसित भारत की दिशा में बढ़ते विश्वास का सशक्त प्रमाण है।

भगवा ध्वज, हिंदुत्व और राष्ट्र निर्माण की अखंड चेतना

भारत केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि हजारों वर्षों से प्रवाहित एक जीवंत सांस्कृतिक राष्ट्र है। इसकी आत्मा वेदों, उपनिषदों, ऋषियों, संतों, महापुरुषों और गुरु-शिष्य परंपरा में बसती है। गुरु पूर्णिमा इसी अमर परंपरा का महापर्व है, जो हमें ज्ञान, संस्कार, सेवा और राष्ट्रधर्म के प्रति पुनः समर्पित होने की प्रेरणा देता है। भारतीय जीवन-दर्शन में गुरु का स्थान सर्वोपरि है। गुरु केवल शिक्षा देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि वह चेतना है जो मनुष्य के भीतर चरित्र, अनुशासन, आत्मविश्वास, कर्तव्यबोध और राष्ट्रभक्ति का प्रकाश प्रज्वलित करती है। गुरु ही व्यक्ति को स्वयं से ऊपर उठकर समाज और राष्ट्र के लिए जीने का मार्ग दिखाता है। यही कारण है कि हमारी संस्कृति में गुरु को ब्रह्मा, विष्णु और महेश के समान पूज्य माना गया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने इस महान गुरु परंपरा को एक अनूठी और कालजयी अभिव्यक्ति दी है। संघ में किसी व्यक्ति विशेष को गुरु नहीं माना जाता, बल्कि भगवा ध्वज को गुरु के रूप में वंदन किया जाता है। इसका संदेश अत्यंत स्पष्ट और प्रेरक है- व्यक्ति सीमित होता है, किंतु आदर्श अमर होते हैं। भगवा ध्वज त्याग, तप, बलिदान, सेवा, शौर्य, आत्मसंयम और सनातन भारतीय संस्कृति की अखंड चेतना का प्रतीक है। यह प्रत्येक स्वयंसेवक को निरंतर स्मरण कराता है कि राष्ट्र सर्वोपरि है और व्यक्तिगत जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य समाज एवं मातृभूमि की सेवा है। लगभग एक शताब्दी से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने सेवा, संगठन और राष्ट्रनिष्ठा की ऐसी परंपरा विकसित की है, जिसने भारत के सामाजिक जीवन पर गहरा प्रभाव छोड़ा है। प्राकृतिक आपदाओं में राहत कार्य, शिक्षा, ग्राम विकास, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य सेवा और जनजागरण जैसे अनेक क्षेत्रों में स्वयंसेवकों की निस्वार्थ भागीदारी इस विचार को साकार करती है कि राष्ट्र निर्माण केवल विचारों से नहीं, बल्कि सतत सेवा और समर्पण से होता है। हिंदुत्व का वास्तविक स्वरूप भी इसी सांस्कृतिक चेतना में निहित है। हिंदुत्व किसी संकीर्ण आग्रह का नाम नहीं, बल्कि भारत की सनातन सभ्यता, सांस्कृतिक निरंतरता और जीवन मूल्यों का व्यापक दर्शन है। यह सत्य, करुणा, सहअस्तित्व, समरसता, कर्तव्य, आध्यात्मिकता और लोकमंगल का मार्ग प्रशस्त करता है। ₹वसुधैव कुटुम्बकम्₹, ₹सर्वे भवन्तु सुखिनः₹ तथा ₹एकं सद्विप्रा बहुधा वदन्ति जैसे सनातन सूत्र इसी उदात्त दृष्टिकोण को अभिव्यक्त करते हैं। राष्ट्रवाद भी केवल राजनीतिक अवधारणा नहीं, बल्कि मातृभूमि के प्रति आत्मीय श्रद्धा, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, नागरिक कर्तव्यों के निर्वहन और राष्ट्रहित को सर्वोच्च मानने का जीवन मूल्य है। जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपने कर्तव्य को राष्ट्रसेवा का माध्यम बना लेता है, तभी एक शक्तिशाली, आत्मनिर्भर और विकसित भारत का निर्माण संभव होता है। आज भारत अपनी प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर और आधुनिक विकास यात्रा को समान गति से आगे बढ़ा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का जो संकल्प देश ने लिया है, उसकी सफलता केवल आर्थिक प्रगति से नहीं, बल्कि सांस्कृतिक आत्मविश्वास, सामाजिक एकता, सेवा भाव और राष्ट्रीय चरित्र की मजबूती से सुनिश्चित होगी। गुरु पूर्णिमा हमें इसी राष्ट्रीय चेतना को अपने जीवन का आधार बनाने का संदेश देती है।

टिप्स

चाय, बेरीज, डार्क चॉकलेट और सेब से बढ़ाएं अपनी उम्र

चाय, बेरी, डार्क चॉकलेट और सेब जैसे फ्लेवोनॉयड से भरपूर खाद्य पदार्थ खाने से आपको गंभीर स्वास्थ्य स्थितियों के जोखिम को कम करके लंबे समय तक जीने में मदद मिल सकती है। नेचर फूड में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन के अनुसार, फ्लेवोनॉयड युक्त खाद्य पदार्थों की एक विविध श्रेणी का सेवन करने से टाइप 2 मधुमेह, हृदय रोग, कैंसर और तंत्रिका संबंधी बीमारियों के विकास का जोखिम कम हो सकता है। इस अध्ययन का नेतृत्व क्वीन्स यूनिवर्सिटी बेलफास्ट, एडिथ कोवान यूनिवर्सिटी पर्थ (ईसीयू), तथा मेडिकल यूनिवर्सिटी ऑफ वियना और यूनिवर्सिटेट विएन के शोधकर्ताओं की एक टीम ने किया। निष्कर्षों से पता चलता है कि आपके आहार में फ्लेवोनोइड्स की विविधता बढ़ाने से टाइप 2 मधुमेह, हृदय रोग (सीवीडी), कैंसर और तंत्रिका संबंधी रोग जैसी स्वास्थ्य स्थितियों के विकास को रोकने में मदद मिल सकती है।

अध्ययन के मुख्य निष्कर्ष

मृत्यु दर में कमी: लगभग दो कप चाय के बराबर 500 मिलीग्राम फ्लेवोनॉयड का दैनिक सेवन सभी कारणों से होने वाली मृत्यु दर के 16% कम जोखिम से जुड़ा था।

हृदय स्वास्थ्य: फ्लेवोनॉयड के सेवन से हृदय रोग, टाइप 2 मधुमेह और श्वसन रोग का जोखिम 10% कम हो गया।

विविधता मायने रखती है: एक ही स्रोत पर निर्भर रहने के बजाय, विभिन्न प्रकार के फ्लेवोनॉयड युक्त खाद्य पदार्थ खाने से स्वास्थ्य लाभ अधिक हो सकते हैं।

फ्लेवोनोइड्स से भरपूर खाद्य पदार्थ

चाय: विशेष रूप से काली चाय स्वस्थ उम्र बढ़ने को बढ़ावा देने के लिए जानी जाती है।

जामुन: ब्लूबेरी, स्ट्रॉबेरी और अन्य जामुन फ्लेवोनोइड्स और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं। **डार्क चॉकलेट:** डार्क चॉकलेट में फ्लेवोनोइड्स होते हैं, जो रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं।

सेब: सेब फ्लेवोनोइड्स और फाइबर का एक अच्छा स्रोत हैं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

प्रेमचंद कथाकार ही नहीं बल्कि भारतीय समाज का एक दर्पण भी थे : मनीष

साहिबगंज : प्रेमचंद की 146वीं जयंती के अवसर पर प्राथमिक विद्यालय संस्कृत तालबन्ना में दो दिवसीय चित्र प्रदर्शनी सह जयंती का समापन समारोह संपन्न हो गया।समापन समारोह के मुख्य अतिथि मनीष कुमार,बीपीओ,सदर प्रखंड साहिबगंज थे।श्री कुमार ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।कार्यक्रम का विषय प्रवेश करते हुए विद्यालय के प्रधानाध्यापक अशोक केसरी ने बताया कि प्रत्येक वर्ष विद्यालय में विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित किया जाता हैं।जिससे बच्चों में सर्वांगीण विकास का बेहतर अवसर मिलता है।प्रेमचंद की जयंती विशेष रूप से बरसों से आयोजित की जाती है।प्रेमचंद का साहित्य कालजयी है।प्रेमचंद की कहानियाँ पूस की रात,बुढी काकी, नमक का दारोगा,ईदगाह, कफन।जैसी कालजयी कहानियों को पढ़कर कई पीढ़ियों ने साहित्यिक संस्कार और मार्गदर्शन प्राप्त किया है।प्रेमचंद जयंती के अवसर पर छात्र छात्राओं के बीच विभिन्न प्रकार के प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। जिसका पुरस्कार वितरण किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीपीओ मनीष कुमार ने कहा कि प्रेमचंद केवल एक लेखक या कथाकार नहीं थे;वे भारतीय समाज का एक ऐसा दर्पण थे,जिसने बिना किसी मिलावट के हमारी मिट्टी की खुशबू,संघर्ष और यथार्थ को दुनिया के सामने रखा।साहित्यकार का काम केवल मनोरंजन करना नहीं,बल्कि समाज की चेतना को जगाना है।प्रेमचंद जी ने अपनी इस बात को जीवन भर जिया।गोदान','गबन','ईदगाह','कफन' और 'पूंस की रात' जैसी अनगिनत कृतियों के माध्यम से उन्होंने किसान, मजदूर, महिलाओं और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की पीड़ा को स्वर दिया।'ईदगाह' का नन्हा हामिद हमें सिखाता है कि अभावों के बीच भी संवेदनशीलता और परिपक्वता कैसे जन्म लेती है।विद्यालय के शिक्षक इंद्रकांत प्रसाद ने बताया कि इस अवसर पर विद्यालय के छात्र छात्राओं के बीच प्रेमचंद के जीवन पर आधारित भाषण प्रतियोगिता आलेख चित्रांकन आयोजित किया गया था।इसके अलावा विद्यालय में शत प्रतिशत उपस्थित छात्र छात्राओं को भी मुख्य अतिथि मनीष कुमार,बीपीओ सदर प्रखंड ने पुरस्कृत किया।कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के शिक्षक इन्द्रकांत प्रसाद ने किया।इस अवसर पर ग्राम शिक्षा समिति के अध्यक्ष चंदन पासवान,मंजू देवी अष्टमी देवी,श्यामलाल यादव,गोरेचंद पासवान मोहनलाल रजक मुख्य रूप से उपस्थित थे।

विद्यार्थियों का फूटा आक्रोश सीबीआई जांच कर दोषियों को सजा दिलाने की मांग

साहिबगंज : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद साहिबगंज नगर द्वारा जेपीएससी व जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में सामने आई कथित अनियमितताओं पेपर लीक व भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी के विरोध में आज साहिबगंज महाविद्यालय के मुख्य गेट पर व्यापक हस्ताक्षर अभियान चलाया गया।अभियान में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों एवं प्रतियोगी अभ्यर्थियों ने भाग लेकर राज्य सरकार के विरुद्ध अपनाशांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराया। विद्यार्थियों ने हस्ताक्षर कर यह संदेश दिया कि वे अपने भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ स्वीकार नहीं करेंगे तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई और निष्पक्ष जांच की मांग पर एकजुट हैं।कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर मंत्री चंदन कुमार गुप्ता ने की जबकि प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक इंद्रोजीत साह मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए नगर मंत्री चंदन कुमार गुप्ता ने कहा कि झारखंड के लाखों युवा वर्षों की कठिन मेहनत के बाद प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होते हैं, लेकिन लगातार सामने आ रही अनियमितताओं ने उनकी मेहनत और विश्वास दोनों को गहरा आघात पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद युवाओं के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय बर्दाश्त नहीं करेगी । जब तक दोषियों पर कठोर कार्रवाई नहीं होती और भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी नहीं बनाई जाती तब तक परिषद का संघर्ष निरंतर जारी रहेगा। प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक इंद्रोजीत साह ने अपने संबोधन में कहा कि जेपीएससी एवं जेएस एससी भर्ती प्रक्रिया में सामने आए गंभीर आरोप केवल परीक्षाओं तक सीमित नहीं हैं।बल्कि यह लाखों युवाओं के सपनों और उनके भविष्य से जुड़ा विषय है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को युवाओं की भावनाओं का सम्मान करते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच करानी चाहिए तथा दोषियों को कठोर दंड दिलाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी परिषद सदैव विद्यार्थियों और अभ्यर्थियों के अधिकारों की आवाज बनकर संघर्ष करती रही है और आगे भी न्याय मिलने तक लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन जारी रखेगी। जबकि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने राज्य सरकार के समक्ष अपनी सात प्रमुख मांगें दोहराईं। परिषद ने जेपीएससी एवं जेएसएससी परीक्षाओं को तत्काल रद कर पूरी प्रक्रिया की सीबीआई जांच कराने, उच्च शिक्षा में स्थानीय छात्रों के लिए तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के पद समाप्त नहीं करने, पूरे प्रकरण की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कर दोषियों को शीघ्र एवं कठोर दंड दिलाने, प्रभावित अभ्यर्थियों को न्याय दिलाने हेतु आवश्यक विधिक एवं प्रशासनिक कार्रवाई करने, भर्ती प्रक्रिया से जुड़े सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, निजी एजेंसियों एवं प्रभावशाली व्यक्तियों की निष्पक्ष जांच कराने, भविष्य में पूर्णतः पारदर्शी एवं डिजिटल ऑडिट योग्य परीक्षा प्रणाली लागू करने और नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए राज्य के मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री से तत्काल इस्तीफा देने की मांग की।कार्यक्रम में विभाग संगठन मंत्री श्री बादल कुमार, जिला कार्यालय मंत्री अंकुश कुमार, अविनाश कुमार, आदित्य कुमार, मनीष कुमार, समीर, नीरज यादव, शिवम गुप्ता, सुमन कुमार, निधि सिंह, लक्ष्मी कुमारी, दीपिका कुमारी, पायल कुमारी,मौसमी कुमारी,रिया, प्रिया, खुशी, अंकिता सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में परिषद ने कहा कि यदि सरकार शीघ्र ही इन मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है। तो पूरे राज्य में लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से व्यापक जनआंदोलन चलाया जाएगा।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के जयंती को लेकर प्रखंड झामुमो की बैठक सम्पन्न

गुरूजी के प्रतिमा अनावरण मे बरहेट से हजारों कार्यकर्त्ता जायेंगे साहेबगंज : संजीव सामू हेंब्रम

संवाददाता

साहिबगंज/बरहेट : झामुमो जिला कमेटी के आदेशानुसार शुक्रवार को प्रखंड झामुमो कार्यालय बरहेट में झारखंड आंदोलन के पुरोधा एवं राज्य के निमार्ता दिशोम गुरु स्व.शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि को भव्य एवं ऐतिहासिक रूप से मनाने को लेकर प्रखंड अध्यक्ष सह प्रमुख बर्नार्ड मरांडी के अध्यक्षता मे एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।बैठक मे मुख्य अतिथि के रूप मे केंद्रीय कमेटी सदस्य सह सांसद प्रतिनिधि *संजीव सामू हेंब्रम* जिला संगठन सचिव *छवि हेंब्रम* शामिल हुए।बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा,जनसंपर्क अभियान और कार्यकताओं की जिम्मेदारियों पर' विस्तार से चर्चा की गई।बैठक को संबोधित करते हुए *केंद्रीय कमेटी सदस्य सह सांसद प्रतिनिधि संजीव सामू हेंब्रम* ने कहा कि दिशोम गुरु केवल एक राजनीतिक व्यक्तित्व नहीं,बल्कि झारखंड की अस्मिता,स्वाभिमान और जल-जंगल-जमीन के संघर्ष के प्रतीक थे।उनका जीवन आदिवासी-मूलवासी समाज के अधिकारों और झारखंड की पहचान के लिए समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि गुरुजी आज भी झारखंड के हर गांव,हर कार्यकर्ता और हर संघर्षशील व्यक्ति की प्रेरणा बने हुए हैं।चार अगस्त को गुरूजी की पुण्यतिथि है और साहेबगंज मे गुरु जी के प्रतिमा का आनावरण होना है। उस दिन बरहेट से हजारों के संख्या मे पार्टी कार्यकर्त्ता साहेबगंज रवाना होंगे। *झामुमो प्रखंड सचिव मुजिबुर रहमान* ने कहा कि संथाल परगना की धरती से गुरुजी का विशेष लगाव रहा है।ऐसे में 4 अगस्त को उनकी पहली पुण्यतिथि को ऐतिहासिक बनाने के लिए पार्टी का हर कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ जुटेगा। *झामुमो जिला संगठन सचिव छवि हेंब्रम* ने कहा कि चार अगस्त को साहिबगंज मे गुरूजी की आदमकद प्रतिमा का अनावरण होने जा रहा है श्रद्धांजलि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। *झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह प्रमुख बर्नार्ड मरांडी* ने कहा कि गुरुजी की पहली पुण्यतिथि पर साहेबगंज में उनकी भव्य आदमकद प्रतिमा अनावरण हो रहा है।इसकी तैयारियां अंतिम चरण में हैं और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संगठन स्तर पर व्यापक तैयारी की जा रही है।सुबह हम कार्यकर्त्ता पार्टी कार्यालय मे गुरूजी की चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि देंगे इसके बाद सभी कार्यकर्त्ता साहेबगंज श्रद्धांजलि सभा व प्रतिमा अनावरण के लिए रवाना होंगे।मौके पर,पूर्व प्रखंड कोषाध्यक्ष पुसा टुडू,लखीराम हेंब्रम,सुनीराम हांसदा अब्दुल मजीद,समदा सोरेन,जिसू मरांडी इब्राहिम अंसारी, इस्लाम अंसारी,रमेश मुर्मू,संजय सोरेन,मुश्ताक अंसारी,खालिक आलम महिला मोर्चा नेत्री बेला किस्कू,सुनीता टुडू,मोनिका मुर्मू, मोनिका सोरेन सहित सभी 22 पंचायत के अध्यक्ष सचिव सहित सम्मानित कार्यकर्ता गण मौजूद थे।

हिंदी साहित्य के बड़े नायक थे प्रेमचंद : सिविल सर्जन

1951 में अनंत कुमार सरस्वती सदन का स्थापना किया यह पुस्तकालय नहीं बल्कि ज्ञान साहित्य संस्कृति शोध ओर सामाजिक चेतना का सशक्त केंद्र है

संवाददाता

साहिबगंज : किसान,मजदूर,विधवा, दलित,निम्न मध्यम वर्ग,बेरोजगार नौजवान और छोटे सरकारी कर्मचारी ये सभी प्रेमचंद की दुनिया के असली पात्र थे।यही वजह है कि उनकी रचनाएं सौ साल बाद भी नई लगती हैं उक्त बाते सिविल सर्जन डॉ रामदेव पासवान ने कहा।मुंशी प्रेमचंद की 146वी जयंती के पावन अवसर पर शुक्रवार को शहर के महाजन पट्टी स्थित अनन्त कुमार सरस्वती सदन पुस्तकालय भवन में कार्यक्रम आयोजित किया गया।जिसका विधिवत उद्घाटन सिविल सर्जन डॉ रामदेव पासवान,डॉ विजय कुमार सहित अन्य ने दीप प्रज्वलित करके किया।वही अनंत कुमार सरस्वती सदन का प्लैटिनम जुबली के अवसर पर पुस्तक का विमोचन किया गया। सिविल सर्जन ने कहा कि हिंदी साहित्य में सबसे बड़ा नायक मुंशी प्रेमचंद थे।उनके साहित्य की विशेषता यह थी कि वो गांवों,किसानों,गरीबों और समाज के पीड़ित लोगों का यथार्थ चित्रण करते थे।उन्होंने पहले स्कूल टीचर के रूप में नौकरी की। सन 1921 में महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन से प्रभावित होकर उन्होंने सरकारी नौकरी से त्यागपत्र दे दिया।वही डॉ विजय कुमार ने कहा कि मुंशी प्रेमचंद हंस' जागरण मयार्दा' और 'माधुरी' जैसी पत्रिकाओं का संपादन भी किया। प्रसिद्ध उपन्यास गोदान,गबन, निर्मला सेवासदन रंगभूमि,कर्मभूमि था और प्रसिद्ध कहानियां दो बैलों की कथा,पूस की रात,कफन,पंच परमेश्वर, बूढ़ी काकी था। सचिव सुरेश निर्मल ने बताया कि 1951 में अनंत कुमार सरस्वती सदन का स्थापना किया गया।यह पुस्तकालय नहीं बल्कि ज्ञान साहित्य संस्कृति शोध ओर सामाजिक चेतना का सशक्त केंद्र है।वही स्कूली छात्रों के बीच भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमे 20 छात्रों ने हिस्सा लिया।जिसमे प्रथम पुरस्कार शिल्पा पीहू,द्वितीय पूर्व रेलवे उच्च विद्यालय के छात्र आकाश कुमार,तृतीय पुरस्कार तृषा मिश्रा हुई। वही सभी प्रतिभागी को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया ओर सहयोग राशि पुरस्कार दिया।मौके पर डॉ रंजीत सिंह,डॉ अतुल कुमार,अध्यक्ष प्रदीप कुमार,कार्यक्रम संयोजक राजेश चिरानीया,भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गणेश तिवारी,अनुराग राहुल,ललित स्वदेशी,अनवर अली,प्रो कमल महावर प्रो सुबोध कुमार,रानी झा, घनश्याम यादव श्याम विश्वकर्मा, अंकित केजरीवाल,शुभम तिवारी सहित स्कूली छात्र छात्राएं व दर्जनों गणमान्य लोग उपस्थित थे।

साहिबगंज भागलपुर जमालपुर रेलखंड में विशेष सघन टिकट जांच अभियान चलाया

संवाददाता

साहिबगंज : सुल्तानगंज में आयोजित श्रावणी मेला के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए पूर्व रेलवे के मालदा मंडल द्वारा टिकट जांच अभियान को और अधिक सघन किया गया है,ताकि अनुशासित यात्रा सुनिश्चित की जा सके।रेलवे राजस्व की सुरक्षा हो और श्रद्धालुओं एवं अन्य यात्रियों को सुरक्षित,सुगम एवं निर्बाध यात्रा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।वैध रेलवे टिकट के साथ यात्रा करना न केवल कानूनी अनिवार्यता है,बल्कि एक दक्ष,यात्री-अनुकूल एवं सुरक्षित रेल व्यवस्था बनाए रखने की साझा जिम्मेदारी भी है।इसी उद्देश्य के अनुरूप,मालदा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में मालदा मंडल द्वारा बिना टिकट यात्रा पर अंकुश लगाने व रेलवे नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए लगातार सघन टिकट जांच अभियान चलाए जा रहे हैं।इसी क्रम में शुक्रवार को वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मालदा कार्तिक सिंह के नेतृत्व में साहिबगंज-भागलपुर-जमालपुर रेलखंड में विशेष सघन टिकट जांच अभियान चलाया गया।इस अभियान के अंतर्गत सुल्तानगंज एवं भागलपुर स्टेशनों पर जांच के साथ-साथ गाड़ी संख्या 12335 भागलपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस सुपरफास्ट एक्सप्रेस, 12367 विक्रमशिला एक्सप्रेस, 13334 पटना-दुमका एक्सप्रेस, 13409 मालदा टाउन-किऊल इंटरसिटी एक्सप्रेस तथा इस रेलखंड से गुजरने वाली अन्य ट्रेनों में भी टिकट जांच की गई।अभियान में वाणिज्य निरीक्षकों,टिकट जांच कर्मचारियों तथा रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारियों एवं कर्मियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।इस अभियान के दौरान बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा के कुल 372 मामले पकड़े गए तथा ₹3,83,135/- का जुमार्ना राशि प्राप्त किया गया।मालदा मंडल रेलवे राजस्व की सुरक्षा तथा वास्तविक यात्रियों को सुरक्षित, सुगम एवं आरामदायक यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भविष्य में भी ऐसे सघन टिकट जांच अभियान जारी रखेगा।यात्रियों से अनुरोध है कि वे सदैव वैध रेलवे टिकट के साथ ही यात्रा करें,क्योंकि बिना टिकट यात्रा करना रेल अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत दंडनीय अपराध है।

पंचपदी आधारित पाठ योजना कार्यशाला का शुभारंभ

संवाददाता

साहिबगंज : विद्या भारती विद्यालय जमुनादास केदारनाथ चौधरी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर साहिबगंज में पंचपदी आधारित पाठ योजना कार्यशाला का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य सुनील पंडित एवं वरिष्ठ आचार्या किरण कुमारी गुप्ता ने सरस्वती माता,ओंकार एवं भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर किया।कार्यशाला में विद्यालय के गणित के आचार्य अजय कुमार साह ने अध्यापन कार्य,कक्षा कार्य,गृह कार्य प्रयोग प्रसार एवं अभिमत के बारे में विस्तार से बतलाया।कार्यशाला में विद्यालय के सारे आचार्य बंधु भगिनी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय राजमार्ग 80 अब सड़क नहीं बल्कि गड्ढों का जाल बन चुकी है : ग्रामीण

संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड का वह जिला जहां से हर दिन करोड़ों रुपये का राजस्व सरकार के खजाने में जाता है।पत्थर खदानें, कोयला,खनिज और गंगा जलमार्ग संसाधनों से समृद्ध यह जिला विकास की तस्वीर पेश करता है।लेकिन आज हम आपको इसी साहिबगंज की एक ऐसी तस्वीर दिखाने जा रहे हैं।जो तमाम सरकारी दावों पर बड़ा सवाल खड़ा करती है।

ये तस्वीर है साहिबगंज के मदनसाही स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग 80 की जहां सड़क अब सड़क नहीं बल्कि गड्ढों का जाल बन चुकी है।शुक्रवार सुबह इसी जर्जर सड़क पर सीमेंट से लदा एक ट्रैक्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।हादसे के बाद स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा और देखते ही देखते ग्रामीणों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-80 को जाम कर दिया। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और आवागमन पूरी तरह ठप हो गया।ग्रामीणों का कहना है कि पिछले पांच से छह वर्षों से इस सड़क की

हालत बद से बदतर होती जा रही है।हर दिन भारी-भरकम ट्रक,पत्थर और अन्य खनिज लदे वाहन इसी रास्ते से गुजरते हैं,लेकिन सड़क की मरम्मत समय पर नहीं होने के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं।सोचिए जिस जिले की धरती से निकलने वाले पत्थर और खनिज पूरे देश के विकास में इस्तेमाल हो रहे हैं।जिस जिले से सरकार को करोड़ों का राजस्व मिलता है।उसी जिले के लोगों को एक सुरक्षित राष्ट्रीय राजमार्ग भी नसीब नहीं है।आखिर इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा?घटना की सूचना मिलते ही जीरवाबाड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने ग्रामीणों से बातचीत की और सड़क मरम्मत कार्य में तेजी लाने का आश्वासन दिया।इसके बाद लोगों ने जाम समाप्त कर दिया।ग्रामीणों के अनुसार करीब तीन महीने पहले लगभग नौ करोड़ रुपये की लागत से सड़क मरम्मत का टेंडर पूरा हुआ था। काम शुरू भी हुआ लेकिन उसकी रफ्तार इतनी धीमी है कि सड़क की हालत आज भी जस की तस बनी हुई है।कई जगह बड़े-बड़े गड्ढे दुर्घटनाओं को खुला निमंत्रण दे रहे हैं।अब लोगों की चिंता बरसात को लेकर है।उनका कहना है कि यदि तेज बारिश शुरू हुई तो यह सड़क और भी खतरनाक हो जाएगी।ऐसे में हादसों की संख्या बढ़ सकती है और आम लोगों की परेशानी कई गुना बढ़ जाएगी।फिलहाल प्रशासन ने काम तेज कराने का भरोसा दिया है।लेकिन साहिबगंज की जनता अब वादे नहीं सड़क पर काम देखना चाहती है।क्योंकि सवाल सिर्फ एक ट्रैक्टर के पलटने का नहीं है।सवाल है उस सिस्टम का जहां खनिजों से मालामाल जिला तो है।लेकिन राष्ट्रीय राजमार्ग आज भी बदहाल है।

डीपीएल 2026: अनुज रावत का शतक बेकार, सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने चार विकेट से जीता पहला मुकाबला

एजेंसी

नई दिल्ली : दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 का आगाज अरुण जेटली स्टेडियम में शुक्रवार रात रोमांचक मुकाबले के साथ हुआ, जहां सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने अनुज रावत के शानदार शतक पर पानी फेरते हुए पुरानी दिल्ली 6 को चार विकेट से हरा दिया। मुकाबले से पहले मशहूर गायक सुखबीर सिंह और सुनंदा शर्मा के रंगारंग कार्यक्रम ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। पहले बल्लेबाजी करते

हुए पुरानी दिल्ली 6 की शुरूआत बेहद खराब रही और टीम पांच ओवर के भीतर 30 रन पर तीन विकेट गंवा बैठी। इसके बाद कप्तान अनुज रावत और देव लाकड़ा ने चौथे विकेट के लिए 132 रन की शानदार साझेदारी कर टीम को संकट से उबारा। देव लाकड़ा ने 37 गेंदों में 53 रन की संयमित पारी खेली, जबकि अनुज रावत ने कप्तानी पारी खेलते हुए 59 गेंदों में नाबाद 105 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 11 चौके और पांच छक्के लगाए। 99 रन पर जीवनदान मिलने के बाद अगली ही गेंद पर उन्होंने इस सत्र का पहला शतक पूरा किया। उनकी बदौलत पुरानी दिल्ली 6 ने 20 ओवर में चार विकेट पर 202 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। 203 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने आक्रामक शुरूआत की। कप्तान यश धुल और सिद्धार्थ जून ने पहले विकेट के लिए केवल 4.5 ओवर में 65 रन जोड़ दिए। जून 14 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए, जबकि युगल सैनी ने 16 गेंदों में 22 रन का योगदान दिया। यश धुल ने शानदार बल्लेबाजी जारी रखते हुए 45 गेंदों में 72 रन की कप्तानी पारी खेली। उनके आउट होने के बाद वंश बेदी ने 13 गेंदों में 28 रन बनाकर टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचाया। अंतिम ओवरों में मुकाबला बेहद रोमांचक हो गया। केशव दाबस ने दबाव में शानदार बल्लेबाजी करते हुए पेनल्टिमेट ओवर की आखिरी दो गेंदों पर लगातार दो चौके जड़कर समीकरण अंतिम ओवर में तीन रन का कर दिया। इसके बाद जसवीर सहरावत ने विजयी रन बनाकर सेंट्रल दिल्ली किंग्स को चार विकेट से शानदार जीत दिला दी और टीम ने डीपीएल 2026 में विजयी शुरूआत की

ज्योतिर्मयी नायक बनीं 'इंडियन आइडल 16' की विनर

तनिष्क और मनराज रहे रनर-अप

कई महीनों तक शानदार परफॉर्मेंस और इमोशनल पलों के बाद 'इंडियन आइडल 16' के विजेता की घोषणा रविवार को हुई। ज्योतिर्मयी नायक ने रविवार को इंडियन आइडल 16 का खिताब अपने नाम कर लिया है। ग्रैंड फिनाले में जीत की ट्रॉफी के साथ उन्हें सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन की तरफ से 20 लाख का कैश प्राइज मिला।

सिंगिंग रियलिटी शो के इस 16वें सीजन के टॉप 3 फाइनलिस्ट मनराज वीर सिंह, ज्योतिर्मयी नायक और तनिष्क शुक्ला रहे और अंत में ज्योतिर्मयी नायक ने बाजी मारी। तनिष्क पहले रनरअप रहे और मनराज दूसरे रनरअप बने।

इंडियन आइडल 16 के फाइनल में जज के तौर पर बादशाह, कुमार सानू और श्रेया घोषाल मौजूद रहे, जबकि विशाल ददलानी वीडियो कॉल के जरिए सभी से जुड़े। इसके अलावा अभिनेत्री शहनाज गिल कार्यक्रम में स्पेशल गेस्ट के तौर पर पहुंचीं।

तनिष्क शुक्ला और मनराज वीर सिंह इस सीजन के रनर-अप रहे। दोनों को 5-5 लाख का कैश प्राइज मिला है। फिनाले की रेस में स्पॉटलाइट राउंड के बाद मैस्मे बोसु बाहर हो गए थे। इसके अलावा कम वोट मिलने की वजह से अशिका चोंकर और सुहैल सूफी भी एलिमिनेट हो गए। दोनों को 3-3 लाख का कैश प्राइज दिया गया।

फाइनल एपिसोड की खास बातें

जज विशाल ददलानी फाइनल में मौजूद नहीं रहे। उन्होंने वीडियो कॉल के जरिए शो ज्वॉइन किया। उषा उत्थुप ने 'रंभा हो' समेत कई गानों पर धमाकेदार परफॉर्मेंस दी। जज कुमार सानू ने भी 'ये काली काली आंखें' समेत कई गानें पर परफॉर्म किया। फाइनल में एक्ट्रेस शहनाज गिल भी शामिल हुई और सभी कंटेस्टेंटस का हौसला बढ़ाया।

राष्ट्रमंडल खेल 2026: नौवें दिन छह पदकों के साथ भारत पदक तालिका में 10वें स्थान पर

भारत ने पांच स्वर्ण पदक के साथ अब तक जीते कुल 23 पदक

एजेंसी

नई दिल्ली : राष्ट्रमंडल खेल 2026 के नौवें दिन शुक्रवार को भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य सहित कुल छह पदक अपने नाम किए। इसके साथ ही भारत के कुल पदकों की संख्या 23 हो गई और वह पदक तालिका में 10वें स्थान पर पहुंच गया। दिन की शुरूआत जूडो से हुई, जहां अस्मिता डे ने महिलाओं के 48

किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण जीतकर भारत का पहला स्वर्ण पदक दिलाया। इसके कुछ ही देर बाद हर्ष सिंह ने पुरुषों के 60 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण जीतकर जूडो में भारत की ऐतिहासिक सफलता को आगे बढ़ाया। वहीं यामिनी ने अपने फाइनल मुकाबले में रजत पदक हासिल कर भारत के खाते में एक और पदक जोड़ा। एथलेटिक्स में तेजस्विन शंकर ने पुरुषों की डेकाथलॉन स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वह इस स्पर्धा में राष्ट्रमंडल खेलों का पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने। इसके बाद पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में भारत ने शानदार डबल पोडियम हासिल किया। नीरज चोपड़ा ने रजत पदक जीता, जबकि यशवीर सिंह ने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। नौवें दिन के खेलों के बाद ऑस्ट्रेलिया 55 स्वर्ण, 30 रजत और 43 कांस्य सहित 128 पदकों के साथ शीर्ष पर बना हुआ है। इंग्लैंड 17 स्वर्ण, 34 रजत और 29 कांस्य के साथ दूसरे तथा कनाडा 17 स्वर्ण, 15 रजत और 21 कांस्य सहित कुल 53 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर है। वहीं भारत के खाते में अब 5 स्वर्ण, 12 रजत और 6 कांस्य सहित कुल 23 पदक हैं और वह पदक तालिका में 10वें स्थान पर है।

अमिताभ बच्चन: 20 साल का एज गैप, फिर भी बनी सुपरहिट जोड़ी

श्रीदेवी और अमिताभ बच्चन की जोड़ी 'इंकलाब', 'आखिरी रास्ता', और 'खुदा गवाह' में खूब पसंद की गई। दोनों के बीच करीब 20 साल का उम्र का अंतर था, लेकिन पर्दे पर उनकी केमिस्ट्री शानदार रही।

कॉकरोच जनता पार्टी से श्वेता तिवारी ने पूछे सवाल

पंजाब के शिक्षा मंत्री कब देंगे इस्तीफा

अभिनेत्री श्वेता तिवारी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने शनिवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट करते हुए कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके से सवाल पूछा कि पंजाब के शिक्षा मंत्री का इस्तीफा कब होगा? श्वेता तिवारी के वीडियो में दिपके कह रहे हैं कि अब जब धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया है, तो वे कैबिनेट में किसी भी ऐसे व्यक्ति का इस्तीफा मांग सकते हैं, जो अच्छा काम नहीं कर रहा है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए एक्ट्रेस ने लिखा, 'अब, पंजाब के शिक्षा मंत्री कब इस्तीफा दे रहे हैं? और आप लोग वहां कब विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं, कॉकरोच जनता पार्टी?' राष्ट्रीय राजधानी के जंतर-मंतर पर कई दिनों तक चले छात्रों के बड़े विरोध-प्रदर्शनों और लोगों के लगातार आंदोलन के बाद शनिवार को धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया। छात्र परीक्षा में गड़बड़ियों, खासकर नीट-यूजी पेपर लीक को लेकर उनका इस्तीफा मांग रहे थे। उनका इस्तीफा 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दिल्ली पुलिस की सख्त कार्रवाई के बाद आया है। पुलिस की इस कार्रवाई से पूरे देश में आक्रोश फैल गया और नाराज लोग बड़ी संख्या में जंतर-मंतर पर छात्रों का समर्थन करने के लिए उमड़ पड़े। विरोध प्रदर्शन दिल्ली से पहले मेट्रो शहरों और फिर छोटे कस्बों तक फैल गए। विरोध प्रदर्शन तब और तेज हो गए जब 18 जुलाई की सुबह दिल्ली पुलिस ने सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर पर विरोध स्थल से जबरदस्ती हटा दिया, जबकि वे 21 दिनों की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पूरी कर चुके थे। अधिकारियों ने उनकी बिगड़ती सेहत, मेडिकल सलाह और दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए अस्पताल में भर्ती कराया। सोनम वांगचुक प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर थे। हालांकि, उन्होंने गुरुवार की देर रात अनशन तोड़ दिया था।

क्या 'रामायण' के बाद

'धूम 4' में दिखेंगे रणबीर कपूर?

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर ने हाल ही में अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स पर खुलकर बात की। इस दौरान उन्होंने फिल्म 'धूम 4' को लेकर भी बड़ा खुलासा किया।

फिल्म 'रामायण' की टीम हाल ही में सैन डिएगो कॉमिक कॉन में अपनी फिल्म को प्रमोट करने पहुंची थी। इस दौरान डायरेक्टर नितेश तिवारी, प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा और एक्टर्स रणबीर कपूर और यश मौजूद थे। इवेंट के दौरान रणबीर ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स पर भी बात की और साफ किया कि वह 'धूम 4' का हिस्सा नहीं हैं।

'धूम 4' पर क्या बोले रणबीर?

रिव्यू नेशन यूट्यूब चैनल पर बातचीत के दौरान होस्ट ने कहा कि यश 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' के साथ-साथ रामायण में नजर आएंगे और रणबीर 'धूम 4' में दिखेंगे। इस पर रणबीर ने तुरंत इनकार करते हुए कहा, 'नहीं, अभी मैं रामायण और एक दूसरी फिल्म 'लव एंड वॉर' पर काम कर रहा हूं, जिसे संजय भंसाली डायरेक्ट कर रहे हैं। यह फिल्म अगले साल जनवरी में रिलीज हो सकती है।'

'लव एंड वॉर' की रिलीज

फिल्म 'लव एंड वॉर' की रिलीज डेट को लेकर अलग-अलग जानकारी सामने आई है। कुछ रिपोर्ट्स में 24 जनवरी बताया गया है, जबकि आधिकारिक तौर पर 21 जनवरी की तारीख भी सामने आ चुकी है। खास बात यह रही कि रणबीर ने अपनी फिल्मों की लिस्ट बताते वक्त 'एनिमल पार्क' का जिक्र नहीं किया, जो उनकी 2023 की हिट फिल्म 'एनिमल' का सीक्वल माना जा रहा है।

काशी पहुंचकर भावुक हुईं निवेथा पेथुराज, बोलीं-

कुछ जगहें सिर्फ मंजिल नहीं, भगवान से बातचीत का एहसास देती हैं

वाराणसी साउथ सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री निवेथा पेथुराज इन दिनों अपनी आध्यात्मिक यात्रा को लेकर चर्चा में हैं। अभिनेत्री ने रविवार को वाराणसी स्थित काशी की अपनी यात्रा की कुछ झलकियां सोशल मीडिया पर साझा कीं और एक भावुक पोस्ट लिखा। उन्होंने कहा कि कुछ जगह सिर्फ घूमने की जगह नहीं होती, बल्कि वे इंसान को ईश्वर से जुड़ने और खुद को समझने का मौका देती हैं। काशी के अनुभव को साझा करते हुए निवेता ने मां गंगा, भगवान शिव और काशी की आध्यात्मिक ऊर्जा को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। निवेथा पेथुराज ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर काशी यात्रा का एक वीडियो साझा किया। इस वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, जब भी मैं मणिकर्णिका घाट पर बैठकर मां गंगा को बहते हुए देखती हैं, तो मैं वहां से जवाबों के बजाय और ज्यादा सवाल लेकर लौटती हूं। मां गंगा ने सदियों

घर और बच्चों की जिम्मेदारी दोनों की होनी चाहिएः समृद्धि शुक्ला

मुंबई टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री समृद्धि शुक्ला इन दिनों अपने शो ये रिश्ता क्या कहलाता है में अभिरा के किरदार को लेकर दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। अपनी दमदार एक्टिंग के साथ-साथ वह अपनी सोच और सामाजिक मुद्दों पर खुलकर बात रखने के लिए भी जानी जाती हैं। इस बीच उन्होंने घर-परिवार, शादी और रिश्तों में जिम्मेदारियों के बंटवारे को लेकर अपनी राय साझा की है। समृद्धि ने कहा कि आज के समय में भी कई महिलाओं से उम्मीद की जाती है कि वे घर और बाहर दोनों की जिम्मेदारियां अकेले संभालें, जबकि परिवार चलाने की जिम्मेदारी पति-पत्नी दोनों की बराबर होनी चाहिए। समृद्धि शुक्ला ने महिलाओं पर पड़ने वाले अतिरिक्त दबाव के बारे में बात की। उन्होंने कहा, आज भी कई महिलाएं ऐसी हैं, जिनसे हर काम को संभालने की उम्मीद की जाती है। उनसे कहा जाता है कि वे बच्चों की देखभाल करें, अगर चाहें तो नौकरी करें और फिर घर लौटकर पूरे परिवार की जिम्मेदारी भी निभाएं। कई बार महिलाएं खुद खाना नहीं बनातीं, फिर भी उनसे यह अपेक्षा की जाती है कि वे घर की हर व्यवस्था पर नजर रखें, कुक से बात करें, घर के कामों को मैनेज करें और सुनिश्चित करें कि सब कुछ सही तरीके से चलता रहे। उन्होंने कहा, इस तरह की सोच को बदलने की जरूरत है। जब दो लोग शादी के बंधन में बंधते हैं, तो वे मिलकर एक नई जिंदगी की शुरुआत करते हैं। दोनों एक ही घर में रहते हैं, घर की सुविधाओं का इस्तेमाल करते हैं और बच्चों की परवरिश में भी दोनों की बराबर भागीदारी होती है। ऐसे में यह सही नहीं है कि किसी एक व्यक्ति से ज्यादा जिम्मेदारी निभाने की उम्मीद की जाए। समृद्धि ने उदाहरण देते हुए कहा, अगर किसी महिला ने बच्चे को जन्म दिया है और वह कुछ समय के लिए काम पर नहीं जा सकती, तो उस दौरान पति को आगे बढ़कर जिम्मेदारियां संभालनी चाहिए। वहीं, जब महिला दोबारा अपने करियर या सपनों की ओर लौटना चाहे, तो पति घर की जिम्मेदारियों में सहयोग कर सकता है। रिश्ते में सबसे जरूरी चीज एक-दूसरे के सपनों को समझना और उनका सम्मान करना है।

अभिनेत्री ने कहा, परिवार का मतलब एक-दूसरे का साथ देना होता है, न कि पुराने नियमों के अनुसार महिला और पुरुष की भूमिकाएं तय कर देना। किसी एक व्यक्ति से हमेशा त्याग करने की उम्मीद नहीं की जानी चाहिए। एक अच्छे रिश्ते में दोनों लोग एक-दूसरे के लिए जगह बनाते हैं और मिलकर जीवन की चुनौतियों का सामना करते हैं।

करण कुंद्रा पर पुराने आरोपों को लेकर सान्वी तलवार ने तोड़ी चुप्पी, बोलीं-

मुझे किस किया और थप्पड़ मारा

अभिनेत्री सान्वी तलवार ने अपने करियर के एक दौर में निजी विवाद को लेकर सुर्खियां बटोरी थीं। अब काफी समय बाद अभिनेत्री ने उस दौर को याद करते हुए अपनी सोच और उससे मिली सीख के बारे में बात की। सान्वी ने कहा कि किसी भी संवेदनशील मामले पर बोलने के लिए व्यक्ति का खुद मानसिक रूप से तैयार होना जरूरी है। उन्होंने महिलाओं को भी संदेश दिया कि अगर उनके साथ कुछ गलत हुआ है और वे उस समय अपनी बात नहीं रख पाईं, तो बाद में भी अपनी आवाज उठा सकती हैं। दरअसल, सान्वी ने टीवी शो ये कहां आ गए हम में अभिनेता करण कुंद्रा के साथ काम किया था। इसी शो के दौरान उन्होंने करण कुंद्रा पर कथित तौर पर गलत व्यवहार करने के आरोप लगाए थे। उनका आरोप था कि काम के दौरान करण कुंद्रा ने कथित तौर पर उनकी सहमति के बिना उन्हें किस किया और थप्पड़ भी मारा। इस मामले में शो की निर्माता एकता कपूर ने हस्तक्षेप किया था और इसके बाद शो की निर्देशन टीम में बदलाव किए गए थे। अब इस मामले पर बात करते हुए सान्वी ने कहा कि उन्होंने जिंदगी से यह सीखा है कि अपनी बात उसी समय रखनी चाहिए, जब इंसान खुद को इसके लिए पूरी तरह तैयार महसूस करे। अभिनेत्री ने कहा, पहले मैं अपनी बात सिर्फ उन्हीं लोगों से साझा करती थी, जिनके साथ बात करना मुझे जरूरी लगता था।

मुख्यमंत्रीसाय एवं नेता प्रतिपक्ष डॉ महंत ने जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले में छग के मजदूरों की मौत पर जताया दुख

एजेंसी

रायपुर : जम्मू कश्मीर के कुलगाम में शुक्रवार को आंतकी हमले में छत्तीसगढ़ के दो मजदूरों की मौत हो गई है। मृतकों की पहचान दीपक कुमार रात्रे और भूपेंद्र कुमार भैना के रूप में हुई। छत्तीसगढ़ के श्रमिकों की मौत पर सीएम विष्णुदेव साय तथा .नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत ने आंतकी हमले की कड़ी निंदा की और मजदूरों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा है कि कश्मीर के कुलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले में छत्तीसगढ़ के श्रमिकों की दुखद मृत्यु की खबर अत्यंत पीड़ादायक है। अधिकारियों को इस संदर्भ में आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। छत्तीसगढ़ सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है।वहीं छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने छत्तीसगढ़ के एडीजी गुप्तचर अमित कुमार से फोन पर घटना की विस्तृत जानकारी ली। दोनों मजदूर की हुई मौत पर उन्होंने गहरा दुख व्यक्त किया। साथ ही मृतकों के परिजनों से संपर्क स्थापित कर आवश्यक सहयोग करने को कहा है। अधिकारियों ने बताया है कि जम्मू कश्मीर के कुलगाम जिले में एक ईंट भट्ठे पर हुए आतंकी हमले में

छत्तीसगढ़ के दो मजदूरों की मौत हो गई' उन्होंने बताया कि हमलावरों ने शुक्रवार देर शाम दक्षिण कश्मीर के केलम इलाके में स्थित ईंट भट्ठे पर मजदूरों को निशाना बनाया। मले में दोनों मजदूर घायल हो गए, जिनमें से एक दीपक कुमार ने अस्पताल ले जाने से पहले ही दम तोड़ दिया। दूसरे घायल व्यक्ति भूपिंदर को पहले जीएमसी अनंतनाग ले जाया गया और बाद में सौरा स्थित एसकेआईएमएस अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई।दोनों मजदूर छत्तीसगढ़ के रहने वाले थे।

छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने छत्तीसगढ़ के एडीजी गुप्तचर अमित कुमार से फोन पर घटना की विस्तृत जानकारी ली। दोनों मजदूर की हुई मौत पर उन्होंने गहरा दुख व्यक्त किया। साथ ही मृतकों के परिजनों से संपर्क स्थापित कर आवश्यक सहयोग करने को कहा है।

अरुणोदय योजना दो दिन पहले होगी शुरू, बाढ़ प्रभावित जिलों की महिलाओं को मिलेंगे 2,500 रुपये: मुख्यमंत्री

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने शनिवार को घोषणा की कि राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी अरुणोदय योजना पूर्व निर्धारित तिथि 3 अगस्त के बजाय अब दो दिन पहले ही शुरू की जाएगी। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर कहा कि अरुणोदय योजना असम की महिलाओं के सशक्तिकरण का एक मजबूत आधार है। उन्होंने बताया कि सरकार ने योजना को निर्धारित समय से पहले पुनः शुरू करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में हालिया बाढ़ की गंभीर स्थिति को देखते हुए अगस्त माह की किस्त के तहत अधिक प्रभावित जिलों की माताओं और बहनों को 2,500 रुपये प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह निर्णय बाढ़ प्रभावित परिवारों को आर्थिक राहत देने और महिलाओं को सहयोग पहुंचाने के उद्देश्य से लिया गया है।

जंतर-मंतर घटना पर बोले प्रधानमंत्री मोदी, भटके युवाओं को सजा नहीं, सही राह दिखाना हमारा कर्तव्य

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जंतर-मंतर की घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि गाली-गलौच और अभद्र भाषा किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि जो युवा भटक गए हैं, उन्हें दंडित करने के बजाय सही मार्ग दिखाने की आवश्यकता है और समाज को उन्हें साथ लेकर चलना चाहिए। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा करते हुए लिखा, ₹गाली-गलौच से कभी किसी समस्या का समाधान नहीं होता। आइए, भटके हुए बच्चों का मार्गदर्शन करें। आइए, मिलकर काम करें। आइए, भारत के लिए काम करें।

वीडियो संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि जंतर-मंतर पर जो कुछ हुआ, उसे पूरे देश और दुनिया ने देखा। कुछ शरारती बच्चों ने अशोभनीय और अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया, जो किसी भी सभ्य समाज के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि न केवल उनका, बल्कि उनकी दिवंगत माता के बारे में भी अपमानजनक टिप्पणियां की गईं, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और पीड़ादायक थीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि बचपन में गलतियां हो सकती हैं और उनसे सुधारने का अवसर भी होता है। उन्होंने कहा कि समाज में इस घटना को लेकर स्वाभाविक आक्रोश है और यह सांस्कृतिक रूप से भी लोगों के लिए झटका है। हमारी बेटियां इस प्रकार की भाषा कैसे बोल सकती है। हालांकि, अब समय इन बच्चों को अपनाने और उन्हें सही दिशा दिखाने का है। उन्होंने कहा कि ये गुमराह बच्चे हैं और उन्हें सही मार्ग पर लाना समाज का दायित्व है। उन्होंने कहा कि केवल सजा देना, अदालतों के चक्कर लगवाना या सामाजिक रूप से प्रताड़ित करना समस्या का समाधान नहीं है। मोदी ने कहा, ₹मैं उन्हें माफ करना चाहता हूं। समाज भी मेरी इस बात को स्वीकार करे क्योंकि मेरे मन में एक ही भाव है। कभी-कभी दांतों तले हमारी जीभ आ जाती है खून निकल आता है लेकिन हम दांत तोड़ते नहीं हैं क्योंकि दांत भी हमारे हैं और जीभ भी हमारी है बच्चे भी हमारे हैं उन्हें राह दिखाना हमारा काम है।

मुख्यमंत्रीसाय एवं नेता प्रतिपक्ष डॉ महंत ने जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले में छग के मजदूरों की मौत पर जताया दुख

रायपुर : जम्मू कश्मीर के कुलगाम में शुक्रवार को आंतकी हमले में छत्तीसगढ़ के दो मजदूरों की मौत हो गई है। मृतकों की पहचान दीपक कुमार रात्रे और भूपेंद्र कुमार भैना के रूप में हुई। छत्तीसगढ़ के श्रमिकों की मौत पर सीएम विष्णुदेव साय तथा .नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत ने आंतकी हमले की कड़ी निंदा की और मजदूरों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा है कि कश्मीर के कुलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले में छत्तीसगढ़ के श्रमिकों की दुखद मृत्यु की खबर अत्यंत पीड़ादायक है। अधिकारियों को इस संदर्भ में आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। छत्तीसगढ़ सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है।वहीं छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने छत्तीसगढ़ के एडीजी गुप्तचर अमित कुमार से फोन पर घटना की विस्तृत जानकारी ली। दोनों मजदूर की हुई मौत पर उन्होंने गहरा दुख व्यक्त किया। साथ ही मृतकों के परिजनों से संपर्क स्थापित कर आवश्यक सहयोग करने को कहा है।

मुख्यमंत्री उमर ने कुलगाम आतंकी हमले की निंदा की, पीड़ितों के परिवारों के लिए 10 लाख की मुआवजा राशि का ऐलान किया

श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को कुलगाम आतंकी हमले में दो बाहरी मजदूरों की हत्या की कड़ी निंदा की और मारे गए लोगों के परिवारों को मुख्यमंत्री राहत कोष से 10-10 लाख की मुआवजा राशि देने का ऐलान किया। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से एक्स पर किए गए एक पोस्ट के अनुसार मुख्यमंत्री ने इस हमले को ₹कायरतापूर्ण हरकत₹ बताया और बेगुनाह लोगों की जान जाने पर गहरा दुख जताया। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि मुख्यमंत्री राहत कोष से 10-10 लाख की मुआवजा राशि ज़िला प्रशासन की ओर से पीड़ित परिवारों को पहले से दी जा रही 6 लाख की तत्काल राहत राशि के अलावा दी जाएगी। उन्होंने पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना भी व्यक्त की और दोहराया कि इस मुश्किल समय में जम्मू-कश्मीर सरकार मजबूती से उनके साथ खड़ी है। बता दें कि शुक्रवार को कुलगाम में आतंकियों द्वारा किए गए हमले में दो लोगों की मौत हो गई है। मृतकों की पहचान दीपक रैत्रे (24) पुत्र उमा शंकर और बोपिंदर (28) पुत्र दसराड़ के तौर पर हुई है। ये दोनों छत्तीसगढ़ के रहने वाले थे और कश्मीर में प्रवासी मजदूर के तौर पर काम कर रहे थे।

वाराणसी के मालवीय बाग कॉलोनी में 20.78 लाख की लागत से सड़क मरम्मत और काऊ कैचर कार्य का शिलान्यास

वाराणसी : वाराणसी में शनिवार को सिगरा वार्ड की मालवीय बाग कॉलोनी में 20.78 लाख की लागत से सड़क मरम्मत एवं कॉलोनी के प्रवेश द्वार पर काऊ कैचर लगाए जाने के कार्य का शिलान्यास हुआ। इस अवसर पर कैंट से विधायक सौरभ श्रीवास्तव मौजूद रहे। शिलान्यास का पूजन कॉलोनीवासी आलोक मल्होत्रा के हाथों संपन्न कराया गया। शिलापट्ट का अनावरण भाजपा नेत्री सोना मौर्या एवं वंदना चौरसिया ने किया। भाजपा के बूथ अध्यक्ष मोनू गुप्ता ने नारियल फोड़कर विकास कार्य का शुभारंभ किया। शिलान्यास के बाद विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने कहा कि यह परियोजना क्षेत्रवासियों के सुरक्षित, सुगम एवं व्यवस्थित आवागमन के साथ-साथ बेहतर नागरिक सुविधाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए विकास की यह यात्रा निरंतर आगे बढ़ती रहेगी और क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए हमारा संकल्प सदैव अटूट रहेगा। क्षेत्रवासियों का स्नेह, विश्वास और सहयोग ही हमारी सबसे बड़ी प्रेरणा है।

अधूरे सड़क निर्माण कार्य से ग्रामीणों की बढ़ी परेशानी

धमतरी : धमतरी शहर से लगे हुए ग्राम कोलियारीझखरेंगाझदोनर मार्ग पर सारंगपुरी के पास निमार्णाधीन पुलिया एवं सड़क निर्माण कार्य में कथित लापरवाही के चलते हजारों ग्रामीणों का जिला मुख्यालय से संपर्क प्रभावित हो गया है। निर्माण कार्य के दौरान वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था नहीं किए जाने से क्षेत्र के लोगों को रोजमर्रा की आवाजाही में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों, किसानों, मरीजों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों को हो रही है। ग्रामीणों ने तत्काल सड़क व पुलिया निर्माण की मांग की है ताकि आवाजाही सुगम तरीके से हो सके। शनिवार को सड़क संघर्ष समिति के संरक्षक एवं कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान समिति के सदस्यों ने निर्माणकर्ता से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन काफी प्रयासों के बावजूद संपर्क नहीं हो सका, जिससे ग्रामीणों में नाराजगी और बढ़ गई। निरीक्षण के दौरान संरक्षक दयाराम साहू, संयोजक हीरेंद्र साहू, मनोज साहू सहित रोड संघर्ष समिति के अनेक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने निर्माण कार्य की धीमी गति और अव्यवस्थित कार्यप्रणाली पर गहरी चिंता जताते हुए प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। रोड संघर्ष समिति ने जिला प्रशासन, लोक निर्माण विभाग और संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि निर्माण कार्य को युद्धस्तर पर पूरा कराया जाए, तत्काल वैकल्पिक मार्ग अथवा अस्थायी पुल की व्यवस्था की जाए तथा लापरवाही बरतने वाले निर्माणकर्ता के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। समिति ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकाला गया तो क्षेत्रवासी जनहित में उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित विभाग और ठेकेदार की होगी। इस संबंध में धमतरी कलेक्टर अबिनाश मिश्रा का कहना है कि संबंधित स्थल का निरीक्षण कराकर तत्काल निर्माण कार्य तेजी से करने कहा जाएगा ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके।

स्कूल और अस्पताल जाना हो गया है प्रभावित

ग्रामीण संतू साहू, रामलाल साहू, बसंत कुमार, यशकरण, बोधन निषाद का कहना है कि सड़क बंद होने से बच्चों का विद्यालय जाना प्रभावित हो गया है, किसानों को कृषि कार्य और उपज के परिवहन में कठिनाई हो रही है, जबकि मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाना भी चुनौती बन गया है। लगातार बारिश के कारण यह मार्ग पूरी तरह जोखिम भरा हो चुका है और किसी भी समय बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी हुई है।

जल्द से जल्द किया जाए समस्याबक निराकरण

ग्रामीण कोमल साहू, पवन साहू, कमलेश कुमार का कहना है कि यदि निर्माण कार्य शुरू करने से पहले वैकल्पिक मार्ग या अस्थायी पुल की व्यवस्था कर दी जाती तो लोगों को इतनी परेशानी नहीं उठानी पड़ती। कार्य की भूमि गति के कारण यह परेशानी बढ़ गई है इस समस्या का जल्द से जल्द निराकरण किया जाना चाहिए ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके।

लगातार बारिश से जलपाईगुड़ी के कई इलाके जलमग्न, तीस्ता नदी पर येलो अलर्ट जारी

जलपाईगुड़ी : जिले में शनिवार सुबह से हो रही लगातार बारिश के कारण शहर के कई इलाके जलमग्न हो गए हैं। महज कुछ घंटों की बारिश में शहर के 25 वार्डों के अधिकांश क्षेत्रों में सड़कों पर पानी भर गया। जिससे कई जगहों पर जलभराव की गंभीर स्थिति बन गई। इससे आम लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार सुबह तक जलपाईगुड़ी में लगभग 95 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। भारी वर्षा के कारण शहर की कई सड़कें और निचले इलाके पानी में डूब गए हैं। कुछ स्थानों पर घरों के सामने तक पानी पहुंच गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि थोड़ी-सी बारिश में भी शहर के विभिन्न हिस्सों में जलभराव हो जाता है, लेकिन इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। लगातार बारिश के कारण तीस्ता और करला नदियों का जलस्तर भी बढ़ने लगा है। सिंचाई विभाग ने बताया कि तीस्ता नदी के मेखलीगंज क्षेत्र में जलस्तर बढ़ने के चलते येलो अलर्ट जारी किया गया है। प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है और लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है।

आईजीएनएफए से 111 भारतीय वन सेवा परिवीक्षार्थी पास आउट, उत्तराखंड को मिले पांच अधिकारी

देहरादून : इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी (आईजीएनएफए) के वर्ष 2024-26 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के भारतीय वन सेवा (आईएफएस) परिवीक्षार्थियों का दीक्षांत समारोह शनिवार को वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) के दीक्षांत-गृह में आयोजित किया गया। समारोह में कुल 111 परिवीक्षार्थियों ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा कर पास आउट किया। इनमें 21 महिला प्रशिक्षु और भूटान के दो विदेशी प्रशिक्षु भी शामिल हैं। समारोह में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने नवदीक्षित अधिकारियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए प्रकृति संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन और सतत विकास के लक्ष्यों को ध्यान में रखकर राष्ट्र सेवा करने का आह्वान किया।

मनाली में मनालसु नाले में गिरी जिम्नी, दो युवकों की मौत, तीन घायल

मनाली : पर्यटन नगरी मनाली के समीप ओल्ड मनाली स्थित क्लब हाउस के पास शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में जिम्नी वाहन के मनालसु नाले में गिर जाने से दो युवकों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार काले रंग की जिम्नी अनियंत्रित होकर सड़क से करीब 20 फीट नीचे मनालसु नाले में जा गिरी। हादसे की सूचना 112 कंट्रोल रूम के माध्यम से थाना मनाली पुलिस को मिली। सूचना मिलते ही सहायक उपनिरीक्षक तुलसी राम पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। निजी होटल के मैनेजर एवं शिकायतकर्ता जयंत तिवारी (28), निवासी अल्मोड़ा (उत्तराखंड) ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार रात करीब एक बजे होटल के पीछे सड़क की ओर से वाहन गिरने की तेज आवाज सुनाई दी, जिसके बाद घटना की जानकारी पुलिस को दी गई।

हादसे में रोहित कुमार (32), निवासी मंडी तथा करुण बौद्ध, निवासी बजौरा (कुल्लू) की मौत हो गई। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।कुल्लू के पुलिस अधीक्षक मदन लाल कौशल ने बताया कि हादसे में विवेक, नरेश कुमार और उर्मिला घायल हुए हैं। घायलों का उपचार अस्पताल में चल रहा है। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए मनाली अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखा गया है। परिजनों के पहुंचने के बाद पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

असम बाढ़: गौतम अदानी ने मुख्यमंत्री राहत कोष में दिये 11 करोड़

एजेंसी

गुवाहाटी : असम में आई विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद के लिए पूरा देश एकजुट होकर सामने आ रहा है। इसकी जानकारी मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने सोशल मीडिया के जरिए साझा की है। इस कड़ी में देश के प्रमुख उद्योगपति गौतम अदानी द्वारा बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए दिए गये दान का मुख्यमंत्री ने जिक्र किया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि असम के बाढ़ पीड़ित लोगों की मदद के लिए गौतम अदानी ने मुख्यमंत्री की सहायता कोष में 11 करोड़ रुपए का दान दिया, यह खबर अचानक मुझे पता चली। हमेशा प्रचार से दूर रहकर चुपचाप काम करने वाले अदानी ने इस बार भी सिर्फ आर्थिक मदद तक ही सीमित नहीं रहकर, बाढ़ पीड़ित हजारों परिवारों के पास समय पर मदद पहुंचाने के लिए विभिन्न माध्यमों से संपत्ति जुटाने की दिशा में भी चुपचाप काम किया है। उन्होंने कहा है कि असम के विकास की यात्रा में निवेश करने के मामले में उन्होंने जो भरोसा और साहस दिखाया है, आज भी संकट के इस समय में असम के आम लोगों के प्रति वही जिम्मेदारी और सहानुभूति दिखा रहे हैं। असम के मुश्किल समय में आम लोगों के साथ खड़े होने के इस मानवीय कदम के लिए मैं उनका दिल से आभारी हूं। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने कहा है कि मुख्यमंत्री राहत कोष में मदद को लेकर समाज के विभिन्न स्तरों से मदद का सिलसिला जारी है। इस मदद के हर एक योगदान का इस्तेमाल पूरी पारदर्शिता, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ जरूरतमंद लोगों की जिंदगी को फिर से संवारने में किया जाएगा।

स्पेन के स्यूटा में प्रवासी संकट : 48,000 से अधिक लोग मोरक्को लौटे, ट्रंप ने सरकार को घेरा

एजेंसी

मैड्रिड : उत्तरी अफ्रीका में स्थित स्पेन के स्वायत्त क्षेत्र स्यूटा में प्रवासियों की भारी आमद के बाद हालात धीरे-धीरे नियंत्रण में आने लगे हैं। स्पेन सरकार के अनुसार, सीमा पार करने वाले 60,000 प्रवासियों में से 48,300 से अधिक लोग अपनी मर्जी से मोरक्को लौट चुके हैं। फ्रांस की सरकारी अंतरराष्ट्रीय समाचार टेलीविजन नेटवर्क फ्रांस 24 के मुताबिक स्पेन के गृह मंत्रालय ने बताया कि गुरुवार सुबह से बड़ी संख्या में लोग जमीन और समुद्र के रास्ते स्यूटा पहुंचे थे, जिससे वहां अफरा-तफरी और मानवीय संकट जैसी स्थिति पैदा हो गई थी। हालात पर काबू पाने के लिए मोरक्को की सुरक्षा बलों ने सीमा पर लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल किया तथा नए प्रवासियों को सीमा पार करने से रोकने की कोशिश की। यूरोपीय आयोग (ईयू) की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने इस स्थिति को ₹अस्वीकार्य₹ बताते हुए कहा कि यूरोपीय संघ में बिना नियमों का पालन किए किसी को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा सकती।

इस बीच इटली ने स्पेन को शेंगेन फ्री-मूवमेंट जोन से निलंबित करने की मांग की। बाद में फिनलैंड और डेनमार्क ने भी इस मांग का समर्थन किया। वहीं,

जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज.ने मोरक्को से अवैध प्रवासियों को तुरंत वापस लेने की अपील की। फ्रांस और ब्रिटेन ने संकट से निपटने में स्पेन की मदद की पेशकश की है, जबकि फ्रांस ने स्पेन से लगी अपनी सीमा पर सुरक्षा जांच भी कड़ी कर दी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस प्रवासी संकट को लेकर स्पेन सरकार पर निशाना साधा। मैरीलैंड स्थित कैंप डेविड में कैबिनेट बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि स्यूटा में जो हालात बने हैं, वे अनियंत्रित प्रवासन के खतरे का उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि मैंने स्पेन में हुई तबाही देखी। ऐसा लग रहा था जैसे लाखों लोगों ने किसी देश पर हमला कर दिया हो। अगर सही नीतियां नहीं अपनाई गईं तो अमेरिका में भी इससे बड़े हालात बन सकते हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने भी एक बयान जारी कर स्पेन सरकार पर यूरोप में बड़े पैमाने पर अवैध प्रवासन को बढ़ावा देने का आरोप लगाया और कहा कि अमेरिका इस मुद्दे पर अपने सहयोगियों के साथ संभावित कदमों पर विचार कर रहा है। यूरोप के कई दक्षिणपंथी नेताओं ने भी इस संकट को लेकर सख्त प्रतिक्रिया दी। जर्मनी की अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी (एएफडी) पार्टी की सह-नेता ऐलिस वाइडेल ने कहा कि बड़ी संख्या में प्रवासियों का आगमन पूरे यूरोप के लिए चुनौती है। वहीं इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी और चेक गणराज्य के प्रधानमंत्री आंद्रेज बाबिस ने भी स्पेन की आव्रजन नीति पर सवाल उठाए। हालांकि, स्पेन सरकार का कहना है कि स्थिति अब तेजी से सामान्य हो रही है और बड़ी संख्या में प्रवासी स्वेच्छा से मोरक्को लौट चुके हैं। सरकार ने अन्य देशों पर इस मानवीय संकट का राजनीतिक लाभ उठाने का भी आरोप लगाया।

नेपाल-भारत सीमा पर तकनीकी वार्ता: लखनऊ में होगी सर्वे अधिकारियों की अहम बैठक

एजेंसी

काठमांडू : नेपाल और भारत के बीच सीमा संबंधी तकनीकी विषयों पर विचार-विमर्श के लिए सर्वे अधिकारी समिति (एसओसी) की 13वीं बैठक 12-14 अगस्त तक भारत के लखनऊ में आयोजित होगी। इस बैठक में सीमा कार्य समूह (बीडब्ल्यूजी) की 7वीं बैठक में लिए गए निर्णयों के क्रियान्वयन के लिए आवश्यक कार्ययोजना और बजट को मंजूरी दिए जाने की उम्मीद है। बीडब्ल्यूजी, सुस्ता और कालापानी को छोड़कर नेपाल-भारत सीमा से जुड़े तकनीकी मामलों पर काम करने वाला दोनों देशों के बीच का सर्वोच्च द्विपक्षीय तंत्र है। इसके अधिकार क्षेत्र में सुस्ता और कालापानी विवाद शामिल नहीं हैं। नेपाली प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व नापी विभाग के उपमहानिदेशक सुशील डंगोल करेंगे। पिछले वर्ष 30 जुलाई को हुई बीडब्ल्यूजी की सातवीं बैठक में दोनों देशों ने अगले तीन वर्षों के भीतर नए सीमा स्तंभों का निर्माण, क्षतिग्रस्त स्तंभों की संयुक्त मरम्मत तथा अन्य तकनीकी कार्य पूरे करने पर सहमति बनाई थी। बैठक में यह भी तय हुआ था कि दशगजा क्षेत्र में हुए अतिक्रमण का अभिलेख तैयार किया जाएगा तथा दोनों देशों के नागरिकों की सीमा पार स्थित संपत्तियों का विवरण भी संकलित किया जाएगा। निर्धारित समयसीमा के दो वर्ष पूरे हो चुके हैं और अब शेष एक वर्ष के लिए नई कार्ययोजना तैयार की जाएगी। नेपाल द्वारा वर्ष 2020 में नया राजनीतिक मानचित्र जारी किए जाने के बाद नेपाल-भारत सीमा का मुद्दा द्विपक्षीय संबंधों का प्रमुख एजेंडा बन गया था। हालांकि, तकनीकी स्तर पर सीमा संबंधी कार्य इससे पहले से ही जारी रहे हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वर्ष 2014 में नेपाल यात्रा के दौरान बीडब्ल्यूजी के गठन पर सहमति बनी थी। इसके कार्यक्षेत्र में दशगजा क्षेत्र को अतिक्रमणमुक्त कराना, सीमा स्तंभों का निर्माण, पुनर्स्थापना और मरम्मत, सीमा पार संपत्तियों के अभिलेख को अद्यतन करना तथा अन्य तकनीकी कार्य शामिल हैं।दोनों देशों ने 2015 में तीन वर्षों के भीतर इन कार्यों को पूरा करने का लक्ष्य रखा था। लक्ष्य पूरा नहीं होने पर 2017 में समयसीमा बढ़ाकर 2022 तक कार्य समाप्त करने का निर्णय लिया गया था। लेकिन बजट की कमी, कोविड-19 महामारी, समय-समय पर उत्पन्न सीमा विवादों तथा प्रतिकूल मौसम के कारण यह लक्ष्य भी पूरा नहीं हो सका।

मध्य प्रदेश में जुलाई का बारिश कोटा पूरा, फिर भी 13 प्रतिशत कम, अगले 4 दिन भारी बारिश के आसार नहीं

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश में जुलाई के दौरान दो बार मानसून की रफ्तार थमने के बावजूद महीने का बारिश कोटा लगभग पूरा हो गया, लेकिन जून में कमजोर मानसून के कारण पूरे सीजन की वर्षा अब भी सामान्य से 13 प्रतिशत कम बनी हुई है। यही वजह है कि प्रदेश के 55 में से 42 जिलों में औसत से कम बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में सक्रिय मानसूनी सिस्टम अब कमजोर पड़ रहे हैं। ऐसे में अगले चार दिनों तक कहीं भी भारी बारिश की संभावना नहीं है। हालांकि, अगस्त में मानसून फिर रफ्तार पकड़ सकता है और बारिश की कमी काफी हद तक पूरी होने की उम्मीद है।

पश्चिमी मध्य प्रदेश में हुई झमाझम बारिश

पिछले 48 घंटों के दौरान मालवा-निमाड़ क्षेत्र, विशेषकर इंदौर और उज्जैन संभाग में कई स्थानों पर भारी से अति भारी बारिश दर्ज की गई। खरगोन, बड़वानी, बुरहानपुर, खंडवा,

रतलाम और धार समेत पश्चिमी जिलों में तेज बारिश से जनजीवन प्रभावित रहा। खंडवा में बारिश के कारण कपास और मक्का की फसलें खेतों में गिर गईं। बड़वानी जिले के सेंधवा क्षेत्र में नाले का पानी 10 से 15 घरों में घुस गया, जिससे करीब दो फीट तक जलभराव हो गया और फसलों को भी नुकसान पहुंचा। लगातार बारिश के चलते कई जिलों में नदी-नाले उफान पर रहे। प्रशासन ने निचले इलाकों और जलभराव वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से सतर्क रहने तथा अनावश्यक रूप से नदी-नालों के पास नहीं जाने की अपील की है।

इन इलाकों में सबसे ज्यादा बारिश

मौसम विभाग के मुताबिक, खरगोन जिले के गोगावां में सबसे अधिक 7.6 इंच बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा बुरहानपुर शहर में 7 इंच और बैतूल के भीमपुर में 6.6 इंच वर्षा रिकॉर्ड की गई। प्रदेश के 33 शहरों और कस्बों में भारी से अति भारी बारिश हुई। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, पिछले दो दिनों से सक्रिय तीन मजबूत मानसूनी सिस्टम अब कमजोर हो रहे हैं। इसके चलते आगामी चार दिनों तक प्रदेश में कहीं भी व्यापक या तेज बारिश की संभावना नहीं है। हालांकि, यदि नए सिस्टम सक्रिय होते हैं तो कुछ क्षेत्रों में फिर भारी वर्षा हो सकती है।

अब तक 15.4 इंच बारिश, 42 जिले अभी भी पीछे

प्रदेश में अब तक औसतन 15.4 इंच (390.3 मिमी) बारिश रिकॉर्ड की गई है, जबकि इस अवधि तक 17.6 इंच (448.4 मिमी) वर्षा होनी चाहिए थी। यानी अब भी करीब 13 प्रतिशत बारिश की कमी बनी हुई है। पूर्वी मध्य प्रदेश में वर्षा 15 प्रतिशत और पश्चिमी हिस्से में 11 प्रतिशत कम दर्ज की गई है। फिलहाल, 42 जिलों में सामान्य से कम बारिश हुई है, जबकि मऊगंज, उमरिया, शहडोल, टीकमगढ़, खंडवा, बड़वानी, खरगोन, भिंड, बुरहानपुर, देवास, इंदौर, राजगढ़ और सीहोर सहित 13 जिलों में औसत से अधिक वर्षा दर्ज की जा चुकी है।

न्यूज IN ब्रीफ

सर हमें हैं आप पर गर्व

बिनय मिश्रा : जिले के सर्वोच्च अधिकारी अगर वृद्धाआश्रम पहुंच जाए वहां उपस्थित वृद्ध व्यक्ति से उनके कुशल क्षेम और उनसे बातचीत के दौरान अपने बारे में बताएं यह सहज सरल व्यक्तित्व निश्चित तौर पर किसी आईएएस अधिकारी की हो तो इससे बड़ी उपलब्धि की बात और कुछ भी नहीं हो सकती जी हां हम बात कर रहे हैं भारतीय प्रशासनिक सेवा 2011 बैच के लोकप्रिय कर्मठ और अपने बेहतर कार्य शैली से जिला को बेहतर बनाने वाले रांची के लोकप्रिय उपायुक्त मंजूनाथ भजोंत्री की उपायुक्त जब वृद्धा आश्रम पहुंचे और वृद्ध व्यक्ति से बातचीत के दौरान अपना परिचय दिया तो वहां उपस्थित सभी लोग काफी भाव विभोर मंत्र मुग्ध हो गए गौर तलब हो कि जिला के विकास के लिए उपायुक्त के पहल और सार्थक प्रयास पूरे राज्य के लिए गौरव की बात है श्री भजोंत्री इससे पूर्व सिमडेगा, लोहरदगा, देवघर, जमशेदपुर और रांची के दो बार उपायुक्त रह चुके हैं विधानसभा चुनाव के समय उन्हें उपायुक्त पद से विमुक्त कर दिया गया तब वरुण रंजन उपायुक्त बनाए गए थे किंतु जैसे ही झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन चुनाव के बाद पुण मुख्यमंत्री बने तब रांची का उपायुक्त मंजूनाथ भजोंत्री को पुण उन्हें दोबारा उपयुक्त बनाया गया उनके कार्य दक्षता कर्मठता और बेहतर कार्य प्रणाली के फल स्वरुप उन्हें रांची का पुनः उपायुक्त का दायित्व दिया गया। ऐसे आईएएस अधिकारी से निश्चित तौर पर जिला और राज्य दोनों गौरवान्वित हैं।

कटक(उड़ीसा) में अवस्थित जगन्नाथ मन्दिर श्रद्धालुओं के आस्था का केंद्र है

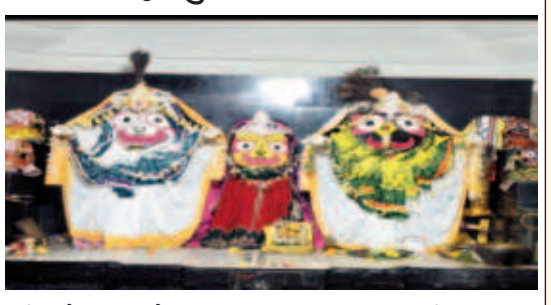

उड़ीसा के कटक में अवस्थित भगवान जगन्नाथ जी का मन्दिर भक्ति और आस्था का अनुपम स्थल है भक्तजनों और श्रद्धालुओं का मानना है कि भगवान जगन्नाथ जी के दर्शन करने से ही लोगों की कामना पूर्ण होती है। रथ मेला के पश्चात भी भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा और बलभद्र के दर्शन के लिए लोगों की भीड़ उमड़ती है।

बैंक ज्यादा से ज्यादा किसानों को दें केसीसी का दें लाभ

जमशेदपुर : पूर्वी सिंहभूम में किसानों को क्रेडिट कार्ड देने के लिए सभी बैंकों को निर्देशित किया गया है कि वे लोग ज्यादा से ज्यादा आवेदनों को ऋण देने का प्रयास करें। इस संबंध में एलडीएम ने सभी बैंक के नोडल अफसरों को कहा है कि काफी सारे आवेदन थोड़ी कमी के बाद रीजेक्ट कर दिया जाता है। लेकिन प्रयास किया जाए कि ज्यादा से ज्यादा किसान इससे लाभान्वित हों। जानकारी हो कि केसीसी शिविर 4 अगस्त से शुरू हो रही है।

खरकाई का जलस्तर घटा, खतरे के निशान से दो मीटर नीचे

जमशेदपुर : खरकाई नदी का जलस्तर पहले की तुलना में काफी नीचे आ गया है। गुरुवार को नदी का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया था। खरकाई का खतरे का निशान 129 मीटर है जबकि वर्तमान में यह 126।890 मीटर तक पहुंच गई है। और फिलहाल यह लगातार गिरावट की ओर है। हालांकि ओडिसा का बैंकवेल डैम का जलस्तर बढ़ रहा है। परंतु वह भी खतरे के निशान से नीचे है। आम तौर पर जब बैंकवेल और खरकाई डैम का फाटक खोला जाता है, तभी जमशेदपुर में नदी खतरे का निशान पार करती है।

एमजीएम में फिर लावारिस मरीज की मौत, चार दिन में पाचवीं मौत

जमशेदपुर : डिमना स्थित एमजीएम मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाजरत एक और लावारिस मरीज की मौत हो गई। शुक्रवार को बुजुर्ग महिला का शव मिलने के बाद चार दिन में मृत लावारिस मरीजों की संख्या बढ़कर पांच हो गई है। होमगार्ड प्रभारी कृष्णा सिंह ने बताया कि शुक्रवार दोपहर करीब तीन बजे अस्पताल के पीछे चहारदीवारी के भीतर एक महिला के पड़े होने की सूचना मिली। मौके पर पहुंचकर सफाईकर्मियों की मदद से उसे इमरजेंसी वार्ड लाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। बताया गया कि बुजुर्ग महिला कई दिनों से अस्पताल में इलाजरत थी और शुक्रवार को वार्ड से बाहर निकल गई थी।

हैट्रिक के दम पर जमशेदपुर ब्वॉयज क्लब की शानदार जीत

जमशेदपुर : जेएसए प्रीमियर डिवीजन लीग के मैच में शुक्रवार को जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में जमशेदपुर ब्वॉयज क्लब ने जंगल टाइगर फुटबॉल अकादमी को 4-1 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। टीम की जीत के नायक कृष्णा हांसदा रहे, जिन्होंने 13वें, 37वें और 87वें मिनट में गोल कर हैट्रिक पूरी की।बृहस्पति हेम्ब्रम ने 23वें मिनट में एक और गोल कर टीम को मजबूत बढ़त दिलाई। जंगल टाइगर फुटबॉल अकादमी की ओर से अंकित ईचागुद्रू ने 72वें मिनट में एकमात्र गोल किया, लेकिन इससे हार का अंतर ही कम हो सका। मुकाबले में कुल तीन खिलाड़ियों को पीला कार्ड दिखाया गया। जमशेदपुर ब्वॉयज क्लब के कृष्णा हांसदा और दीपक हांसदा तथा जंगल टाइगर के संग्राम बास्के को चेतावनी मिली।

मेडिकल कॉलेज को मिले चार नए डॉक्टर, एक का तबादला

धनबाद : फैकल्टी की कमी से जूझ रहे धनबाद मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसएनएमएमसीएच) को शुक्रवार को आंशिक राहत मिली। स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग ने राज्य के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में कार्यरत 17 सह प्राध्यापकों और सहायक प्राध्यापकों का तबादला किया है। इसमें धनबाद मेडिकल कॉलेज में चार डॉक्टरों की तैनाती की गई है। हालांकि यहां से एक चिकित्सक का स्थानांतरण एमजीएम मेडिकल कॉलेज जमशेदपुर कर दिया गया है। जारी अधिसूचना के अनुसार हजारीबाग मेडिकल कॉलेज के एनेस्थीसिया विभाग के सह प्राध्यापक डॉ इंद्रजीत गुप्ता, एमजीएम मेडिकल कॉलेज जमशेदपुर के एनेस्थीसिया विभाग के सह प्राध्यापक डॉ मृत्युंजय कुमार, दुमका मेडिकल कॉलेज के सर्जरी विभाग के सह प्राध्यापक डॉ आफताब अहमद तथा हजारीबाग मेडिकल कॉलेज की मेडिसिन विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ स्मिता प्रियदर्शनी का तबादला धनबाद मेडिकल कॉलेज किया गया है।

सभी अनुमंडल पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में अवैध खनन को रोकें : उपायुक्त

संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी श्री दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में जिला टास्क फोर्स खनन की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में अवैध खनन, एवं अवैध परिवहन की प्रभावी रोकथाम को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक में उपायुक्त ने जिला खनन पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, साहिबगंज एवं राजमहल तथा संबंधित अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया कि अपने-अपने क्षेत्रों में समय-समय पर सघन छापेमारी अभियान चलाते हुए अवैध खनन के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें तथा की गई कार्रवाई का अनुपालन प्रतिवेदन एटीआर उपलब्ध कराएं।उन्होंने जिला खनन पदाधिकारी, खान निरीक्षक एवं संबंधित अंचलाधिकारियो को जिले के सभी खनन क्षेत्रों का नियमित रूप से मापी एवं निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया कि स्वीकृत खनन पट्टा क्षेत्र के बाहर पट्टेधारी द्वारा किसी भी सूरत में खनन न किया जाए। साथ ही

जिले के सभी चेकनाकों पर रोस्टर के आधार पर दंडाधिकारी एवं पर्याप्त बल की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने तथा संबंधित अनुमंडल पदाधिकारियों एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों को समय-समय पर चेकनाकों का निरीक्षण करने का निर्देश दिया।उपायुक्त ने निर्देश दिया कि खनन क्षेत्रों के लिए विस्फोटक पदार्थों के आवागमन की सूचना उपायुक्त एवं संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए। किसी भी प्रकार के अवैध खनन अथवा अवैध परिवहन की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। खान निरीक्षक एंव संबंधित अंचलाधिकारियों को प्रत्येक सप्ताह कम से कम एक दिन किसी खनन क्षेत्र का निरीक्षण एवं मापी करने का निर्देश दिया गया।उन्होंने सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में अवैध खनन पर प्रभावी रोक सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। यदि किसी क्षेत्र में अवैध खनन पाया जाता है। तो संबंधित के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। उन्होंने कहा कि खनन क्षेत्र में सुरक्षा मानकों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। किसी दुर्घटना के कारण जान- माल की क्षति होने की स्थिति में विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाय तथा संबंधित खनन संचालक द्वारा प्रभावित परिवार को नियमानुसार आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना सुनिश्चित की जाय ।बैठक में उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि वन क्षेत्र से ईंट-चिमनी भट्ठे की दूरी 250 मीटर से कम नहीं होनी चाहिए । जिला खनन पदाधिकारी एवं अनुमंडल पदाधिकारियों, को जिले में संचालित सभी अवैध चिमनी भट्ठों को नियमानुसार ध्वस्त कराने का निर्देश दिया। साथ ही, सरकारी अथवा अन्य क्षेत्रों से असामाजिक तत्वों द्वारा अवैध रूप से मिट्टी कटाव की गतिविधियों पर सतत निगरानी रखने और ऐसे मामलों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिया।जबकि वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग अनुमंडल पदाधिकारी सह जिला परिवहन पदाधिकारी अमर जॉन आईन्द, जिला खनन पदाधिकारी कृष्ण कुमार किस्कू, अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल सदानंद महतो, सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सभी अंचल अधिकारी एवं सभी थाना प्रभारी सहित संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

32,517 छात्र-छात्राओं के लिए 6.77 करोड़ से अधिक की राशि भुगतान मिली स्वीकृत

छात्रवृत्ति की राशि को भुगतान हेतु बैंक को हस्तांतरित

साहिबगंज : समेकित जनजातीय विकास अभिकरण आईटीडीए साहिबगंज द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्राप्त आवंटन से वित्तीय वर्ष 2025-26 एवं 2024-25 के लंबित प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति कक्षा 1 से 8 की राशि के भुगतान की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। छात्रवृत्ति की राशि पीएफएमएस के माध्यम से लाभुकों के बैंक खातों में भेजी जाएगी।वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए स्वीकृत भुगतान का विवरण इस प्रकार है।श्रेणी-अनुसुचित जनजाति छात्र-छात्राओं की संख्या-3,519 स्वीकृत राशि-₹70,57,500 श्रेणी -अनुसूचित जाति छात्र-छात्राओं की संख्या -2,444 स्वीकृत राशि ₹46,30,000 श्रेणी पिछड़ा वर्ग छात्र-छात्राओं की संख्या 26,549 स्वीकृत राशि ₹5,60,29,500, कुल छात्र-छात्राओं की संख्या 32,512 कुल स्वीकृत राशि6,77,17,000 बीसी श्रेणी का चरणवार विवरण भाग एक 1 4,904 लाभुक झ ₹73,56,000 भाग दो 4,940 लाभुक झ ₹74,10,000 भाग तीन 4,945 लाभुक ₹1,18,63,500,भाग चार,928 लाभुक ₹1,23,20,000,भाग पाच 4,941 लाभुक ₹1,23,52,500,भाग छ 1,891 लाभुक ₹47,27,500,वित्तीय वर्ष 2024-25 के लंबित मामलों का भुगतान एसटी एक लाभुक झ ₹1,500 बीसी चार लाभुक ₹10,000,कुल पांच लाभुक ₹11,500 जिला प्रशासन ने संबंधित बैंक एवं विभागीय पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि स्वीकृत एडीभीआईसीइ के अनुरूप सभी पात्र छात्र-छात्राओं के खातों में छात्रवृत्ति राशि का भुगतान पीएफएमएएस के माध्यम से शीघ्र एवं पारदर्शी तरीके से सुनिश्चित किया जाए।ज्ञात हो की जो छात्र-छात्राएं अब तक छात्रवृत्ति के लिए आवेदन नहीं किया है वो संबंधित विद्यालय के प्रधानाध्यापक से मिलकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। जिला प्रशासन शिक्षा को बढ़ावा देने तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के विद्यार्थियों को समयबद्ध छात्रवृत्ति उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। यह पहल विद्यार्थियों की शैक्षणिक निरंतरता को मजबूत करने के साथ-साथ सामाजिक एवं शैक्षणिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

धनबाद के सरकारी स्कूलों में लगेगा आधार और जन्म प्रमाण पत्र शिविर

संवाददाता

धनबाद : जिला के सरकारी विद्यालयों में अब स्कूली बच्चों के आधार कार्ड और जन्म प्रमाण पत्र बनाने के लिए विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। इस अभियान की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को उपायुक्त आदित्य रंजन ने यूआईडी, शिक्षा और समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। धनबाद डीसी आदित्य रंजन ने कहा कि अभियान का उद्देश्य सभी स्कूली बच्चों के आधार कार्ड और जन्म प्रमाण पत्र समय पर तैयार कराना तथा जरूरत पड़ने पर उनका अपडेट कराना है। इससे विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति, नामांकन और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में किसी तरह की परेशानी नहीं होगी।उन्होंने बताया कि शिविर के दौरान नए आधार कार्ड बनाए जाएंगे, पुराने

आधार कार्ड अपडेट किए जाएंगे और जन्म प्रमाण पत्र से जुड़ी पूरी प्रक्रिया विद्यालय परिसर में ही पूरी की जाएगी। जिससे अभिभावकों को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़े।अभियान की प्रभावी निगरानी के लिए जिला स्तर पर एक टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा। शिविर की तिथियों की घोषणा जल्द की जाएगी। उपायुक्त ने अभिभावकों से अपील की कि वे निर्धारित तिथि पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ विद्यालय पहुंचें, ताकि बच्चों के दस्तावेज आसानी से तैयार हो सकें। उन्होंने जिला शिक्षा अधीक्षक और जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों और बाल विकास परियोजना पदाधिकारियों को शिविर के सफल संचालन के लिए आवश्यक निर्देश जारी करने को कहा। जिला प्रशासन का लक्ष्य इस अभियान के माध्यम से सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों के आधार कार्ड और जन्म प्रमाण पत्र तैयार कराना है।

उपायुक्त साहिबगंज के नाम से फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट संचालित किए जाने से सावधान रहें

साहिबगंज : जिला प्रशासन के संज्ञान में यह मामला आया है कि कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा उपायुक्त, साहिबगंज श्री दीपक कुमार दुबे के नाम एवं फोटो का दुरुपयोग कर फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट बनाकर आम नागरिकों को भ्रमित करने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे फर्जी अकाउंट के माध्यम से भ्रामक संदेश, झूठी सूचनाएँ अथवा किसी प्रकार का प्रलोभन देकर लोगों को ठगने का प्रयास किया जा सकता है।

जिला प्रशासन आमजनों से अपील करता है कि ऐसे किसी भी फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट पर विश्वास न करें, किसी भी प्रकार की व्यक्तिगत जानकारी, बैंक संबंधी विवरण अथवा धनराशि साझा न करें तथा किसी भी प्रलोभन में बिल्कुल न आएँ।उपायुक्त, साहिबगंज अथवा जिला प्रशासन द्वारा जारी की जाने वाली सभी महत्वपूर्ण सूचनाएँ केवल अधिकृत एवं आधिकारिक माध्यमों से ही प्रसारित की जाती हैं। अतः किसी भी सूचना की सत्यता की पुष्टि केवल आधिकारिक प्लेटफॉर्म से ही करें।यदि किसी नागरिक को उपायुक्त के नाम से संचालित कोई संदिग्ध अथवा फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट दिखाई देता है, तो उसकी जानकारी तत्काल स्थानीय पुलिस अथवा जिला प्रशासन को उपलब्ध कराएँ, ताकि संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

भटिंडा फॉल की तेज धार में बहे तीन युवक, एक की मौत

पुटकी : मुनीडीह क्षेत्र स्थित भटिंडा फॉल की तेज धार में शुक्रवार को तीन युवक बह गए। इनमें से 20 साल के ओमप्रकाश पंडित की मौत हो गई। ओमप्रकाश का ममेरा भाई सुजल खुद निकल आया जबकि दोस्त साहिल को स्थानीय लोगों ने बचा लिया। काफी मशक्कत के बाद स्थानीय गोताखोरों ने घटना के तीन घंटे बाद शाम करीब छह बजे ओमप्रकाश पंडित उर्फ गोलू के शव को फॉल से निकाला। वह गिरिडीह जिले के सरिया का रहनेवाला था। उसके पिता लक्ष्मण पंडित ऑटो चालक हैं। जानकारी के अनुसार ओमप्रकाश आईटीआई की परीक्षा देने सरिया से धनबाद आया था। परीक्षा के बाद वह लोयाबाद स्थित अपने मामा के घर पहुंचा और ममेरे भाई से भटिंडा फॉल घूमने चलने की इच्छा जताई। शुक्रवार को दोपहर करीब तीन बजे तीनों युवक बाइक से भटिंडा फॉल पहुंचे। ऊपरी झरने का नजारा देखने के बाद तीनों नीचे की ओर चले गए। इस दौरान तीनों ने फोटोग्राफी भी की।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ओमप्रकाश झरने के बहते पानी के किनारे मछली देखने गया। इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह तेज बहाव में बहने लगा। उसने शोर मचाया तो ममेरा भाई सुजल उसे बचाने पानी में कूद पड़ा, लेकिन वह भी तेज धारा में फंस गया। किसी तरह वह बाहर निकल आया। इसके बाद तैराक साहिल कुमार भुईंया ओमप्रकाश को बचाने के लिए पानी में कूदा। उसने कुछ देर तक ओमप्रकाश को पकड़कर रखने की कोशिश की, लेकिन तेज बहाव के कारण उसकी पकड़ छूट गई और दोनों गहरे पानी की ओर बह गए। इसी बीच फॉल के समीप मौजूद दुकानदार एवं फॉल कमेटी के सदस्य मनोज महतो ने साहिल को बचाकर बाहर निकाल लिया। घटना की सूचना मिलते ही मुनीडीह ओपी प्रभारी मनिता कुमारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची। स्थानीय गोताखोरों ने तीन घंटे तक तलाशी अभियान चलाया। आखिरकार शाम करीब छह बजे ओम प्रकाश का शव बरामद कर लिया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा मामले की जांच कर रही है। घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल।

घर से मॉर्निंग वॉक निकली पीड़िता से चेन छिनतई

जमशेदपुर : उलीडीह ओपी अंतर्गत शकोसाईं रोड नंबर 1 साई वाटिका के पास शनिवार सुबह एक वृद्धा से चेन छिनतई की घटना सामने आई है। घर से मॉर्निंग वॉक करने निकली 70 वर्षीय आशा रानी सारंगी को स्नैचर्स ने निशाना बनाया और उनके गले से सोने की चेन छीन ली। घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश पास की गली से होते हुए पैदल ही भाग गया। पीड़िता के बेटे सुमित ने बताया कि उनकी मां हर रोज टहलने के लिए निकलती है। आज भी वह टहल कर वापस आ रही थी। इस दौरान घर से पास ही एक युवक पीछे से आया और उनके गले से सोने की चेन छीन ली। सुमित के अनुसार चेन की कीमत दो से ढाई लाख रुपए है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

धनबाद के एक निजी अस्पताल पर निगम का शिकंजा

3.27 करोड़ का जुर्माना, अवैध हिस्से हटाने का निर्देश

संवाददाता

धनबाद : नगर निगम ने शहर के एक निजी हॉस्पिटल के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 3 करोड़ 27 लाख 64 हजार 750 रुपये का जुमार्ना लगाया है। निगम की जांच में अस्पताल परिसर में स्वीकृत मानचित्र से अधिक निर्माण, पार्किंग नियमों के उल्लंघन और अग्नि सुरक्षा मानकों में खामियां सामने आने के बाद यह आदेश जारी किया गया है।

निगम ने अवैध निर्माण हटाने और सभी नियमों का पालन करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही चेतावनी दी है कि आदेश की अवहेलना होने पर भवन का अवैध हिस्सा तोड़ा जाएगा, सीलिंग की जाएगी और अन्य कानूनी कार्रवाई भी होगी।

भवन वाद संख्या 05/2025 के तहत धनबाद नगर निगम ने हॉस्पिटल की विस्तृत जांच कराई। संयुक्त निरीक्षण, मापी और सभी पक्षों की सुनवाई के बाद यह निष्कर्ष निकाला गया कि अस्पताल में स्वीकृत भवन मानचित्र से अधिक निर्माण

किया गया है। जांच में अतिरिक्त तल और अतिरिक्त क्षेत्रफल के निर्माण के साथ-साथ पार्किंग व्यवस्था में भी नियमों का उल्लंघन पाया गया।

नगर निगम के आदेश के अनुसार, अस्पताल प्रबंधन को 3 करोड़ 27 लाख 64 हजार 750 रुपये निगम के खाते में जमा करने होंगे। इसके अलावा 1335।30 वर्गमीटर अवैध और असमायोज्य निर्माण को तय समय सीमा के भीतर हटाना होगा। अस्पताल को स्वीकृत पार्किंग व्यवस्था बहाल करने और भवन की ऊंचाई 15 मीटर से अधिक होने के कारण फायर सेफ्टी एनओसी समेत सभी अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया है। नगर निगम ने साफ किया है कि यदि तय समय के भीतर आदेश का अनुपालन नहीं किया गया तो अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाया जाएगा। इसके अलावा भवन को सील करने, बकाया राशि की वसूली और अन्य वैधानिक कार्रवाई भी की जाएगी।

निगम ने इस कार्रवाई के साथ सभी अस्पतालों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और भवन स्वामियों को भी चेताया है कि वे स्वीकृत नक्शे, पार्किंग व्यवस्था और फायर सेफ्टी समेत सभी भवन नियमों का पालन करें। नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

वहीं, हॉस्पिटल प्रबंधक हरेंद्र सिंह का कहना है कि अभी तक उन्हें धनबाद नगर निगम की ओर से कोई आधिकारिक नोटिस प्राप्त नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि नोटिस मिलने के बाद अस्पताल प्रबंधन नियमानुसार अपना जवाब प्रस्तुत करेगा।